आश्विन, पक्ष - शुक्ल, तिथि - नवमी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, 01 अक्टूबर - 07 अक्टूबर, 2025 बुधवार वर्ष-11, अंक-31, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

jagrukjanta.net

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

अस्य श्रीरामरक्षास्तोत्रमन्त्रस्य बुधकौशिक ऋषिः। श्री सीतारामचंद्रो देवता। अनुष्टुप् छंदः। सीता शक्तिः।
श्रीमान हनुमान्? कीलकम्। श्री सीतारामचंद्रप्रीत्यर्थे रामरक्षास्तोत्रजपे विनियोगः।

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपद्मासनस्थं पीतं वासो वसानं नवकमलदलस्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम्?।
वामांकारूढसीतामुखकमलमिलल्लोचनं नीरदाभं नानालंकार दीप्तं दधतमुरुजटामंडलं रामचंद्रम।

महानवमी एवं दशहरा महापर्व की हार्दिक **शुभकामनाएँ**

महानवमी आजः रामायण की सीख- हर स्थिति के लिए रहें तैयार

श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, सेवा और धर्म का जीवंत उदाहरण है। उनका जीवन चरित्र निर्माण और कर्तव्य पथ की प्रेरणा देता है। इन गुणों के बारे में केवल पढ़ना नहीं, बल्कि जीवन में उतारना ही रामभक्ति है और मानवता की दिशा है।

भगवान श्रीराम के जीवन की सीख, जो बताती हैं परिवार और समाज में कैसा हो व्यवहार...

बड़ों की सलाह सही दिशा देती है

रामचरित मानस के अयोध्या कांड में श्रीराम के वन में जाने के समय का एक प्रसंग है, जहां वे कहते हैं कि इस जगत में उसी का जन्म धन्य है, जिसको माता- पिता प्राणों के समान प्रिय हैं, उनके हाथों में चारों पदार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रहते हैं। 'सुनु जननी सोइ सुतु बड़भागी। जो पितु मातु वचन अनुरागी। तनय मातु पितु तोषनिहारा। दुर्लभ जननी सकल संसारा ।।'

सीख-माता-पिता की आज्ञा सर्वोपरि है। बुजुर्गों के अनुभव, सलाह कठिन परिस्थितियों में दिशा देती हैं।

दूसरों का भला करना धर्म है

रामचरित मानस के उत्तरकांड में एक प्रसंग है, जब श्रीराम संत और असंत यानी अच्छे और बुरे व्यक्ति में क्या फर्क होता है, यह समझाते हैं। श्रीराम कहते हैं- 'पर हित सरिस धर्म नहिं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई ॥ निर्नय सकल पुरान बेद कर। कहेउं तात जानहिं कोबिद नर ॥' यानी दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

सीख-वेद, पुराण, उपनिषद- इन सबका सार यही है कि सब की भलाई व परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है।

शक्ति व क्षमा दोनों गुण जरूरी हैं सही-गलत का फर्क बताता है मित्र

सुंदरकांड में लंका चढ़ाई के समय श्रीराम ने समुद्र से विनयपूर्वक मार्ग देने का आग्रह किया। लेकिन समुद्र पर कोई प्रभाव नहीं हुआ। 'विनय न मानत जलधि जड़, गए तीन दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति।।' श्रीराम ने शस्त्र उठाकर समुद्र को सीख दी। बाद में समुद्र ने गलती मानी तो उस पर दया भी दिखाई।

सीख - आग्रह से काम न बने तो भय से काम निकाला जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शारदीय नवरात्र पर कन्या पूजन की परम्परा का किया पालन, भगवान श्रीराम की प्रतिमा के किए दर्शन

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जैतारण में श्रीराम चौक स्थित भगवान श्रीराम की विशालकाय प्रतिमा के दर्शन किए एवं पूजन किया। इस दौरान शर्मा ने शारदीय नवरात्र की दुर्गाष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा स्वरूपा कन्याओं को चूनरी ओढ़ाकर पूजन किया और आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत सहित सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

Property Auction Hub RAH
प्रोपर्टी ऑक्सन हब
एस-11, द्वितीय तल, अपना बाजार, झोटवाड़ा, जयपुर
since 2010
सेल, परचेज, रेंट एवं सैटलमेंट
» ऑल इंडिया में प्रोपर्टी, सभी बैंकों से रिकवरी की गई प्रोपर्टी को उचित रेट में खरीदने व सैटलमेंट के लिए सम्पर्क करें।
» ऑल इंडिया प्रोपर्टी के डॉक्यूमेंट लीगल चैक करने के लिए सम्पर्क करें।
सुरेन्द्र सिंह एडवोकेट
सी.पी. अग्रवाल संस्थापक मो.-8561088777

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देशी दिल के लिये, दादी वाला देशी तेल...
Kabira® Healthy Growth Yellow Mustard Oil
Natural Immunity Booster · FORTIFIED · 100% VEG. · COLD PRESSED · KOSHER
स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।
- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित।
- मोटापा घटाने में लाभदायक।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Award Details : Contact 98290-50738
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
* In Referance to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

IPM क्या है ? (यह जानना जरुरी है)

IPM इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट - किसी फसल में पेस्टिसाइड एवं रसायनिक खादों का उपयोग निर्धारित मात्रा में उसके मानक स्तर के अनुरूप किया जाता है, एवं प्राकृतिक पद्धति द्वारा फसल को तैयार किया जाता है, ऐसे उत्पाद IPM Quality में आते हैं।

SHYAM® KITCHEN MASALE

स्वाद के साथ सेहत चाहिए ? तो श्याम मसाले अपनाइए!

नोट : -
1.सभी राजस्थान के दुकानदार भाइयों के लिए धनवर्षा कूपन स्कीम 1 जुलाई 2025 से चालू कर दी गई है।
2.अप्रतिनिधि क्षेत्र में अधिकृत वितरकों की आवश्यकता है।

Also Available at: METRO Cash & Carry, SMART BAZAAR, Reliance SMART, aadhaar, NR Mart, blinkit, SWIGGY instamart, zepto, Flipkart Grocery, DealShare
Email : vithal@shyamspices.co.in
Visit us at : www.shyamspices.co.in
डीलरशिप लेने के लिए संपर्क करें
Vithal Agarwal 8890330330
Pradeep Pareek 9530007111
Mahendra Sharma - 7014123726 (EXPORT SALE)

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें

ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

विद्याधर नगर दशहरा मेलाः आयोजन समिति ने सदस्यों व चहेतों का जमकर किया मुख प्रदर्शन

पूर्व उपराष्ट्रपति के स्मृति स्थल के पास होगा धूम..धड़ाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर में स्टेडियम के निकट पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. श्री भैरोंसिह जी शेखावत की स्मृति स्थल के पास दशहरा मेले के नाम पर खुलेआम नियमों की अनदेखी हो रही है। अभी हाल ही में कथा वाचक प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान भी इसी स्थान पर आयोजक समिति द्वारा की गई अव्यवस्थाओं के चलते कथा को बीच में ही प्रदीप मिश्रा द्वारा रोक दिए जाने की बात कही गई थी। इतनी भीड़ की बेकाबू स्थिति भी सभी के सामने हैं। भीड़ के चलते यहां प्रवेश द्वारों को समय पूर्व ही बंद तक करवा दिया गया था। ऐसे में अगर ऐसे ही हाल दशहरा मेला आयोजन के दौरान हो गया तो क्या स्थिति बनेगी। यहां मेले के प्रचार-प्रसार के लिए मुख्य सड़कों पर ही कब्जा कर मनमाने ढंग से गेट खड़े किए गए हैं। आयोजकों ने यातायात पुलिस से इसकी अनुमति ली है या नहीं, यह प्रश्न विचारणीय नहीं है। किन्तु इन गेटों से यातायात प्रभावित होने के साथ आमजन को परेशानी हुई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि, आखिर किसकी शह पर ये आयोजन नियम-कायदों को ताक पर रखकर आयोजित किया जा रहा है। युद्ध स्तर पर गेटों को तैयार करवाकर समिति सदस्यों के अलावा चहेतों का मुख प्रदर्शन किया किया जा रहा है। इसमें विधानसभा के विकास कार्यों से कोई सरोकार नहीं है।

कमाई का जरिया बना आयोजन

मेला समिति ने आयोजन को कमाई का साधन बना लिया है। यातायात नियमों को धता बताकर मनमर्जी से गेट लगाए जा रहे हैं। इनके आस-पास सुरक्षा के भी कोई इंतजाम नहीं हैं। यातायात और निगम अधिकारियों की चुप्पी उनकी कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मेले के बाहर पार्किंग शुल्क तक वसूला जाता है। दूसरी ओर परकोटा समेत अन्य बाजारों में व्यापारी मंडलों को दीपोत्सव पर सजावट के लिए केवल तीन से पांच दिन की विज्ञापन छूट मिलती है, ताकि खर्चा निकल सके। लेकिन विद्याधर नगर में इसका उल्टा हो रहा है।

मनमानी रोकी जाए, व्यापार मंडलों को ही मिले अनुमति

जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री ने कहा कि, नगर निगम, यातायात पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस को इस तरह की मनमानी रोकनी चाहिए। सजावट के लिए केवल स्थानीय व्यापार मंडलों को ही अधिकृत किया जाना चाहिए। महासंघ का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दोनों निगम महापौर और आयुक्त से मुलाकात कर आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग करेगा। इसके अलावा आमजन को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखकर किसी भी आयोजन की रूपरेखा तैयार करके आयोजन आयोजित किए जायेंगे।

पूर्व उपराष्ट्रपति स्मृति स्थल के पास होगा हो-हल्ला और कोलाहल

विद्याधर नगर में स्टेडियम के निकट पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. श्री भैरोंसिह जी शेखावत की स्मृति स्थल के पास यह स्थान किसी व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए अधिकृत नहीं है। किन्तु स्थानीय प्रशासन एवं निगम की अनदेखी के कारण इस क्षेत्र को व्यवसायिक बना दिया गया है। इसके इतर यहां केन्द्रीय एवं राजकीय कार्यालयों की लंबी श्रेणी है। साथ ही, आवासीय क्षेत्र भी है। ऐसे में यहां के निवासियों को शोरगुल से भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नाहरगढ़ अभ्यारण्य क्षेत्र निकट

वन विभाग के नाहरगढ़ अभ्यारण्य क्षेत्र की परिधि इस दशहरें मेला क्षेत्र के निकट होने से यहां के वन्य जीव भी इस कोलाहल एवं देररात तक होने वाले शोरगुल से परेशानी का सामना करेंगे।

जागरूक खबरें

शतायु मतदाता वृद्धजन दिवस पर होंगे सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन के निर्देशानुसार शतायु (100 वर्ष व अधिक आयु) मतदाताओं को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर 2025 के अवसर पर प्रातः 11.00 बजे पंचायत मुख्यालय व ऐसे मतदाता जो कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने में असमर्थ है, उनका सम्मान उनके निवास स्थल पर गठित समिति द्वारा किया जाएगा।

राजस्थान विश्वविद्यालय में RSS के शस्त्र-पूजन के विरोध में NSU कार्यकर्ता

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान यूनिवर्सिटी में मंगलवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई ने आरएसएस के शस्त्र पूजन कार्यक्रम के आयोजन का विरोध करने के लिए प्रदर्शन किया। दरअसल, विधि कॉलेज ग्राउंड में शस्त्र पूजन का कार्यक्रम रखा गया था, जिस पर एनएसयूआई ने आपत्ति जताई। एनएसयूआई ने नाराजगी जताई कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में इस तरह की गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कार्यक्रम आयोजन के संबंध में कार्यकर्ता कॉलेज प्रशासन पर भी बरसे।

अक्टूबर में बैंक 21 दिन रहेंगे बंद

जयपुर @ जागरूक जनता। अक्टूबर में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 21 दिन बैंकों की छुट्टी रहेगी। 4 रविवार और 2 शनिवार की छुट्टियों के अलावा अलग-अलग स्थानीय त्योहारों की कुल 15 छुट्टियां रहेंगी। देश के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग स्थानीय त्योहारों की वजह से 1, 2, 3, 4, 6, 7, 10, 18, 20, 21, 22, 23, 27, 28 और 31 अक्टूबर को भी बैंकों की छुट्टी रहेगी। त्रिपुरा, कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, केरल, नागालैंड और मेघालय के सभी बैंक महानवमी, दशहरा, विजयदशमी/दुर्गा पूजा के अवसर पर बंद रहेंगे। 7 अक्टूबर कर्नाटक, ओडिशा, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के सभी बैंक वाल्मीकि जयंती और कुमार पूर्णिमा के अवसर पर बंद रहेंगे। 10 अक्टूबर- हिमाचल प्रदेश के सभी बैंक करवा चौथ के अवसर पर बंद रहेंगे। 28 अक्टूबर- छठ महापर्व के मौके पर बिहार और झारखंड के सभी बैंकों की छुट्टी रहेगी। 31 अक्टूबर- सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुजरात के बैंकों की छुट्टी रहेगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अंबाबाड़ी जैन मंदिर में आयोजित भक्तामर विधान कार्यक्रम में लिया हिस्सा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के अंबाबाड़ी में श्री दिगंबर जैन मंदिर में प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति द्वारा आयोजित भक्तामर विधान कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने परम पूज्य श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ की दिव्य उपस्थिति में आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के कार्यक्रम में पहुँचने पर जैन समाज द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस दौरान दिया कुमारी ने कहा की कार्यक्रम के माध्यम से महाराज श्री का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष टीकमचंद सेठी, मंत्री सुरेश ठोलिया, पदाधिकारी राहुल जैन, मनोज छाबड़ा, अनिल पाटनी एवं अन्य गणमान्य लोगों उपस्थित रहे।

जयपुर में शुरू हुई 'स्मार्ट सिटी रूफ टॉप फार्मिंग परियोजना'

निजी आवासीय छतों पर होगी सब्ज़ी की खेती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

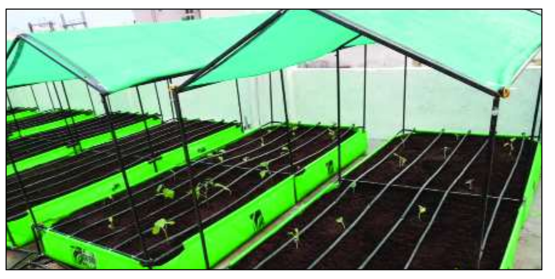

जयपुर @ चेतेन्द्र कुमार मिश्रा। अंतर्राष्ट्रीय उद्यानिकी नवाचार एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईएसआईटीसी), दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा नगर निगम क्षेत्र में स्थित निजी आवासों की छतों पर सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'स्मार्ट सिटी रूफ टॉप फार्मिंग परियोजना' की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत केवल जयपुर नगर निगम क्षेत्र के निजी आवासीय भवनों के स्वामी ही आवेदन कर सकते हैं। वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान या अन्य गैर-आवासीय भवन इस योजना के अंतर्गत पात्र नहीं होंगे। रूफ टॉप यूनिट निर्माण की कुल अनुमानित लागत 53,619/- है। इसमें से 70% (37,534/-) की राशि अनुदान के रूप में सरकार द्वारा वहन की जाएगी, जबकि शेष 30% (16,085/-) राशि लाभार्थी को स्वयं वहन करनी होगी। परियोजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया ऑफलाइन रहेगी और आवेदन पत्र संस्थान के कार्यालय से ही प्राप्त किए जा सकेंगे। योजना के दिशा-निर्देश, पात्रता की शर्तें तथा आवेदन पत्र का प्रारूप आईएसआईटीसी, दुर्गापुरा, जयपुर से प्राप्त किया जा सकता है। अधिक जानकारी हेतु दूरभाष संख्या 9636839317 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

राजकीय शहरी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र-अंधेर नगरी चौपट राजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर-3 स्थित राजकीय शहरी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र का हाल-बेहाल है। न तो खुलने का कोई निश्चित समय है और न ही बन्द होने का। प्रातः साढ़े आठ या नौ बजे तक कोई डिस्पेंसरी में नजर नहीं आता है। दोपहर एक और दो बजे के मध्य डिस्पेंसरी सूनी हो जाती है। कभी-कभार कोई मिल जाता है वो अलग बात है। वहां मौजूद कई चिकित्सा के लिए आए लोगों से बात करने पर बताया कि यह एक संयोग है या विडम्बना कि अधिकांशतः डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं मिलते हैं।

अगर मौजूद स्टाफ से बातचीत करते हैं तो बताया जाता है कि कैम्प लगा हुआ है। कैम्प में गए हैं। आप को दवा लेनी है तो दवा वितरण खिड़की पर चले जाओ वहां से पुरानी पर्ची है तो उसके अनुसार दवाई दे दी जाएगी वरना बिना पर्ची के भी दवा दे दी जाएगी। पर्ची बनाने वाली विंडो पर भी हाल बेहाल है। वहां या तो पर्ची बनाने वाला मिलेगा ही नहीं, अगर मिला और डॉक्टर मौजूद नहीं है तो वहां से भी यही जवाब मिलेगा कि आप दवा वितरण खिड़की से दवा ले लीजिए। बिना पर्ची के ही दवा मिल जाएगी। एक बात और है कि लैब होने के बावजूद वहां सिर्फ बीपी और शुगर की ही जांच होती है अन्य जांच के लिए सीधे कांवटिया अस्पताल का रास्ता दिखा दिया जाता है। अगर किसी बीमार को उल्टी या दस्त हो रहे हैं तो डिस्पेंसरी में ड्रिप लगाने की भी मनाही कर दी जाती है। सोचने वाली बात यह है कि बिना पर्ची के दवा दी जा रही है क्या वह सही माना जाए अगर कुछ गलत हुआ और बीमार को परेशानी बढ़ गई तो जिम्मेदार कौन होगा। दूसरी बात कम्प्यूटर में रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं है तो कितनी दवा कहां वितरण हुई कैसे पता चलेगा। दवा खुर्द-बुर्द भी हो सकती है। एक और बात डिस्पेंसरी में डाक्टर एक से अधिक होने के बावजूद सभी डाक्टर कैंप में क्यों चले जाते हैं। कोई एक तो डिस्पेंसरी में होना चाहिए।

विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। यहां मरीजों को ऐसी अव्यवस्थाओं से बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। डिस्पेंसरी में स्टाफ भी कम नहीं है। दो-तीन महिला स्टाफ दवा वितरण कक्ष में मौजूद रहता है और डॉक्टर वाले रूम में भी डॉक्टरों की अनुपस्थिति में कई लोग मौजूद होते हैं। डिस्पेंसरी की अव्यवस्थाओं से परेशान एक मरीज ने बातचीत में बताया कि कभी आधार कार्ड भूल आते हैं तो 10 रुपए देकर पर्ची बनवानी पड़ती है।

विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में महिला चिकित्सा शिविर आयोजित, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की शिरकत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के महिला मोर्चा द्वारा किशनबाग, नया खेड़ा वार्ड 27 में निःशुल्क महिला चिकित्सा, जाँच शिविर एवं निःशुल्क दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विशेष रूप से शिरकत की और महिलाओं से सीधा संवाद कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए और सभी को शिविर का पूर्ण लाभ मिल सके। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे इस तरह के शिविरों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं ताकि समय रहते बीमारियों की पहचान हो सके। दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। महिलाओं के लिए विभिन्न सरकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ समाज की हर वर्ग की महिला को मिल रहा है।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में स्टूडेंट काउंसिल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

विद्यार्थियों ने ली कार्य निष्ठा और कॉलेज के प्रति समर्पण की शपथ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में उत्साह और उमंग के साथ स्टूडेंट काउंसिल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, निदेशक डॉ. संजय बियानी, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए साक्षी बियानी, प्रिंसिपल व डीन डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा दुग्गड़ और इवेंट कॉर्डिनेटर राखी ने स्टूडेंट काउंसिल के मेंबर्स को बैच पहनाकर उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया और माला पहनाकर उन्हें बधाई दी।

इस विशेष अवसर पर असिस्टेंट डायरेक्टर सीए साक्षी बियानी ने विद्यार्थियों को कॉलेज के प्रति समर्पण और कार्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी ने कहा कि यह आप सभी के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को सहयोग, लगातार सुधार और मेहनत के लिए प्रेरित किया, साथ ही उनके जज्बे और क्षमताओं की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। निदेशक डॉ. संजय बियानी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सदैव प्रसन्न रहना जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने बताया कि समाज में 'विमेन इंपैक्ट' अभी उतना सशक्त नहीं है, इसलिए बियानी कॉलेज सभी को लीडरशिप के अवसर देता है, ताकि आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ा जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता ही सफलता, प्रसन्नता और समृद्धि की कुंजी हैं।

असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी ने काउंसिल मेंबर्स को मैनेजमेंट और स्टूडेंट्स के बीच समन्वय और मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने कहा कि यह प्लेटफार्म उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा और लीडरशिप क्वालिटी सिखाएगा, साथ ही बियानी का हिस्सा होने पर गर्व जताया।

कार्यक्रम में 57 विद्यार्थियों की काउंसिल बनाई गई, जिसमें कॉलेज के विभिन्न क्लबों का गठन किया गया और उनके हेड व सैक्रेटरी नामित किए गए। काउंसिल में बियानी गर्ल्स कॉलेज से मीनल शर्मा को प्रेसिडेंट और काव्यांशी राठौर को सेक्रेटरी , बियानी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट से हर्षिता को प्रेसिडेंट और ऋषिता शर्मा को सेक्रेटरी , तथा बियानी को-एड कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट से सोमित्र व्यास को प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया।

मुख्यमंत्री का जैतारण दौरा - हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच का सशक्त माध्यम है सेवा पखवाड़ा

सेवा शिविरों से सबका साथ, सबका विकास का मूलमंत्र हो रहा साकार- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 362 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रदेश के 1 लाख 87 हजार निर्माण श्रमिकों को 209 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव और गरीब के उत्थान, किसान एवं महिला के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में सेवा पखवाड़ा प्रदेश के हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही जनसेवा के ध्येय की प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम है।

शर्मा मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से संचालित सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप देने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए इस सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्य किए जाने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से भी पात्र लोगों को जोड़ा जा रहा है। वहीं शहरी सेवा शिविरों में सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण आदि के साथ ही जन्म-मृत्यु या विवाह पंजीयन, पट्टे, एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण, भवन स्वीकृति, टैक्स जमा, सीवर कनेक्शन, ईडब्लूएस प्रमाण पत्र आदि कार्य किए जा रहे हैं।

4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर

शर्मा ने सेवा शिविरों की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि इस पखवाड़े में अब तक 4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें करीब 53 हजार नामांतरण और करीब 54 हजार शुद्धिकरण के कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 82 हजार से अधिक पॉलिसी के वितरण के साथ ही एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 78 हजार से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया गया है। इसी तरह स्वामित्व योजना के तहत 64 हजार से अधिक पट्टे और मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 85 हजार से ज्यादा पशु बीमा वितरित किए गए। इसी तरह शहरी सेवा शिविरों में 8 हजार से ज्यादा पट्टे वितरित किए गए और 42 हजार से ज्यादा प्रमाणपत्र जारी किए गए।

हमारी सरकार में ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। 25 सितंबर को प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट की नींव रखी है। यह प्लांट राजस्थान के साथ ही देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है। इसी तरह रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर किए गए जीएसटी सुधारों का सीधा लाभ गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है।

91 हजार युवाओं को दी सरकारी नौकरिया

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इन डेढ़ वर्षों में जो काम डेढ़ साल में कर दिखाया, वह काम पूर्ववर्ती सरकार पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमारी सरकार में प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। हमने अब तक लगभग 91 हजार नियुक्तियां दी हैं तथा लगभग 1 लाख 54 हजार पदों पर नियुक्ति देने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत मार्च में की जा चुकी है तथा अब 4 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

सामाजिक सरोकारों की अभिनव पहल

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। हमारी सरकार ने इस अभियान से प्रेरणा लेकर पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा दो वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधे लगाए भी जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने नारायण विहार सहित 3 पुलिस थानों का किया शुभारम्भ

प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कानून का राज और अपराधियों पर कड़ा प्रहार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज में शांति और सुरक्षित वातावरण में ही विकास संभव है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, जिससे आमजन को भयमुक्त वातावरण मिल सके। शर्मा नारायण विहार सहित 3 नवीन थानों के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल पुलिस भवन का लोकार्पण नहीं, बल्कि आमजन के लिए सुरक्षित प्रदेश बनाने की दिशा में मजबूत कदम है। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने आते ही एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स तथा पेपरलीक प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया।

पुलिस तंत्र को मज़बूत करने के लिए बड़े कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध नियंत्रण और प्रदेश में शांति व्यवस्था हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के लिए 2 अति. पुलिस अधीक्षक व 2 पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय की स्थापना, 22 नए पुलिस थानों का सृजन, 8 पुलिस चौकियों का थाने में क्रमोन्नयन, 35 नई पुलिस चौकी खोलने की स्वीकृति सहित विभिन्न निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि अपराध शाखा के अतिरिक्त महानिदेशक के नेतृत्व में एंटी गैंगस्टर्स टास्क फोर्स का गठन तथा एंटी नारकोटिक्स टास्क फार्स के गठन के लिए जयपुर मुख्यालय में एक नया थाना और 9 नई चौकियों की स्थापना के लिए 255 पद सृजित किए गए हैं।

राज्य में 65 एंटी रोमियो स्वॉड का किया गया गठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है, जो स्कूल, कॉलेज, बाजार, धार्मिक स्थल, मॉल और बस स्टैंड अपराधों को रोकने के लिए सक्रिय हैं। तीन महिला बटालियन पद्मिनी, काली बाई और अमृता देवी का गठन कर 2 हजार 216 पद स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट बनाई गई हैं। साथ ही, महिला हेल्पलाइन 1090 और राजकॉप एप के जरिए शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है।

तकनीक और संसाधनों का हुआ आधुनिकीकरण

शर्मा ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा सभी थानों के अपराधियों का आपराधिक रिकॉर्ड कम्प्यूटरीकृत कर दिया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों और गुमशुदा लोगों की सूची राजस्थान पुलिस वेब पोर्टल पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस का रेस्पॉन्स टाइम बेहतर बनाने के लिए 25 इंटरसेप्टर वाहन, 750 मोटरसाइकिलें और 500 पुलिस मोबाइल यूनिट वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) को मज़बूत किया गया है। उन्होंने कहा कि एफएसएल में 123 नए पद सृजित किए गए हैं ताकि जांच समयबद्ध और सटीक हो सके। साथ ही, गृह रक्षा स्वयंसेवकों के मानदेय में लगातार दो वर्षों में 10-10 प्रतिशत वृद्धि तथा पुलिस बल में 2,000 नए कॉन्स्टेबल पद सृजित कर भर्ती प्रक्रिया तेज की गई है।

महिला अत्याचार के मामलों में 9.24 प्रतिशत की आई कमी

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और शिकायतों के स्तर पर सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2023 से वर्ष 2025 में अपराधों में 19.45 प्रतिशत की कमी तथा 2024 से 2025 में अपराधों में 13.90 प्रतिशत की कमी सामने आई है। अनुसूचित जाति अत्याचार में 17.80 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति अत्याचार के मामलों में 18.77 प्रतिशत की कमी आई है। महिला अत्याचार के मामलों में भी 9.24 प्रतिशत की कमी आई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने फीता काटकर नारायण विहार पुलिस थाना तथा पत्रकार कॉलोनी एवं खोरा बीसल थानों का वर्चुअली शुभारम्भ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सुरक्षा सखियों से संवाद भी किया। इस अवसर पर स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ADVERTISING AGENCY
Call : 9829329070
जागरूक जनता
jagrukjantanews@gmail.com
पूरे राजस्थान में एक साथ
सिर्फ एक फोन पर सभी तरह के विज्ञापन बुक करायें
✔ आवश्यकता ✔ खोया-पाया ✔ वैवाहिकी/ज्योतिष ✔ तीये की बैठक
✔ आम सूचना ✔ प्रॉपर्टी-खरीदना/बेचना ✔ शैक्षणिक ✔ श्रद्धांजली
✔ नाम परिवर्तन ✔ कोर्ट सम्मन ✔ शोक समाचार ✔ पुण्यतिथि

---

2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलाया जाएगा सहकार सदस्यता अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा 2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलाये जाने वाले 'सहकार सदस्यता अभियान' को सफल बनाने के लिए सहकारिता विभाग ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि अभियान की सफलता के लिए 9 से 29 सितम्बर तक पूर्व तैयारी अभियान में तय की गयी गतिविधियों के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण की गई हैं । अभियान के अंतर्गत सहकारी समितियों की सदस्य संख्या में न्यूनतम 10 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य है। इसके लिए ऑनलाइन तथा ऑफलाइन आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अभियान की पूर्व तैयारी अवधि में ही सदस्य बनने के लिए लगभग 1.50 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अठारह वर्ष के अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो संबंधित सहकारी समिति के कार्यक्षेत्र का निवासी हो, समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकता है। सदस्य बनने के लिए एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन स्वयं करना है। आवेदक को इसके लिए केवल जनाधार कार्ड की आवश्यकता होगी। ऑनलाइन सदस्यता आवेदन के लिए लिंक राज सहकार पोर्टल https://rajsahakar.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि अभियान के अंतर्गत युवाओं और महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

सुगम आवागमन, उत्कृष्ट संपर्क, विकसित राजस्थान की अवधारणा पर कार्य करें परिवहन और रोडवेज के अधिकारी-डॉ. बैरवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शासन सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में परिवहन और रोडवेज के अधिकारियों की बैठक लेकर सड़क सुरक्षा, यातायात सुविधा और यात्रियों की सुविधा से सम्बंधित विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा की और अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य की समय पर प्राप्ति के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व बैठक में लिए निर्णयों की पालना की समीक्षा की तथा चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए कार्यों व उनसे आए परिवर्तन की भी समीक्षा की।

राज्य में जल जीवन मिशन योजना के लिए 1507.16 करोड़ रूपये का बजट स्वीकृत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। हर घर नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने की केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के लिए वित्त विभाग ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को विभिन्न जिलों के कई कार्यों के कार्यादेश हेतु 1507.16 करोड़ रूपए की वित्तीय सहमति प्रदान की है।

वित्त विभाग द्वारा हर घर जल कनेक्शन हेतु उदयपुर जिले की ग्राम पंचायत उंदड़ी के लिए 278.99 लाख रू., लोहरचा हेतु 473.85 लाख, बीलवा के लिए 323.88 लाख, बामरिया के लिए 25.43 लाख, मेवाड़ो का मठ के लिए 22.30 लाख, कोठड़ा के लिए 121.20 लाख, कांकरिया के लिए 125.42 लाख, पलचा के लिए 90.10 लाख, केशरपुर ग्राम, रामगढ़ तहसील को 158.38 लाख, पत्थरपरी को 307.04 लाख, मोरजरा को 343.30 लाख, मीरपुर के लिए 99.40 लाख, जूड़ा के लिए 86.42 लाख, गोगरूड़ के लिए 106.36 लाख और जुना पडार के लिए 89 लाख रूपए की वित्तीय स्वीकृत प्रदान की है। इसी प्रकार अलवर जिले की ग्राम पंचायत बेरर के लिए 186.05 लाख रूपये, राजपुर के लिए 182.25 लाख, नांगल मोहम्मद के लिए 56.05 लाख, बूरियावास 153.87 लाख, हुलियान के लिए 105.89 लाख, थाना के लिए 301.54 लाख, कईमासा के लिए 128.55 लाख, टोडाजयसिंहपुरा के लिए 174.38 लाख, मचरी के लिए 130.16 लाख, हीसला मरबेट के लिए 242.93 लाख, खोखर के लिए 204.59 लाख, मिलकपुर के लिए 150.58 लाख, बांसवाड़ा जिले की ग्राम पंचायत औरा के लिए 157.34 लाख, पाड़ा के लिए 146.06 लाख, सारनपुर के लिए 130.40 लाख, नावाग्रह के लिए 156.63 लाख एवं जैसलमेर जिले की ग्राम पंचायत किशन घाट के लिए 51.05 करोड़ रूपए राशि वित्तीय स्वीकृत प्रदान की है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

वरिष्ठ नागरिकों को आज मिलेगी सहायक उपकरण की सौगात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार बुधवार, 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की के निर्देशों के अनुपालना में सक्षम जयपुर अभियान के तहत जयपुर के जामड़ोली स्थित सामाजिक न्याय संकुल में बुधवार को विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी. चंदेल ने बताया कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत सक्षम जयपुर अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को जीवन को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न सहायक उपकरण (व्हीलचेयर, वॉकिंग स्टिक, कमर व घुटने की बेल्ट, सर्वाइकल कॉलर, बैशाखी, वॉकर, ट्राईपोड, श्रवण यंत्र) प्रदान किए जा रहे हैं। बी.पी. चंदेल ने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में 8 अगस्त से 23 सितम्बर तक पंचायत समिति और नगर निकायों में चिन्हीकरण शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान का द्वितीय चरण 1 अक्टूबर को सामाजिक न्याय संकुल, जामड़ोली में आयोजित शिविर के माध्यम से पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित किया जाएगा।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

जीएसटी कटौती से मांग में उछाल

भारतीय रिज़र्व बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस सप्ताह बैठक त्योहारी मौसम में हो रही है। ऑनलाइन लेनदेन पर नजर रखने वाली शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आने वाले हफ्तों में जब कंपनियां अपने मासिक और तिमाही आंकड़े जारी करेंगी तो तस्वीर और साफ हो जाएगी लेकिन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में संशोधन का असर लोगों की खरीदारियों पर पड़ने की संभावना है। जीएसटी प्रणाली में अब केवल दो मुख्य दरें रह गई हैं जिससे अधिकांश वस्तुओं पर कर कम हो गया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह स्थिति चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) संबंधी एमपीसी के अनुमानों को किस हद तक प्रभावित करती है। यह अनुमान बढ़ाया जा सकता है क्योंकि पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही जबकि एमपीसी का अनुमान इससे कम यानी 6.5 फीसदी था। एक नकारात्मक पहलू यह है कि अनुमानों में अमेरिकी शुल्क के प्रभाव भी शामिल करने होंगे। भारतीय वार्ताकार व्यापार की पारस्परिक रूप से स्वीकार्य शर्तों पर पहुंचने के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ काम कर रहे हैं। कुल मिलाकर, आर्थिक वृद्धि दर इस समय एमपीसी के लिए बड़ी चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर देखें तो एमपीसी ने अगस्त में अपनी पिछली बैठक में चालू वित्त वर्ष में दर औसतन 3.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था जिसे कुछ विश्लेषक अधिक बता रहे हैं। जीएसटी दरों में कमी के बाद निकट भविष्य में मुद्रास्फीति दर भी कम होने की संभावना है, हालांकि एमपीसी इस पर विचार करने या अनदेखा करने का विकल्प चुन सकती है। भले ही हाल के महीनों में मुद्रास्फीति अनुकूल स्तर पर रही हो लेकिन मौद्रिक नीति दूरदर्शी बनाए जाने की जरूरत है। इस संबंध में, एमपीसी की अगस्त की बैठक में चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के लिए 4.4 फीसदी मुद्रास्फीति दर का अनुमान लगाया गया था, जो 2026-27 की पहली तिमाही के लिए बढ़कर 4.9 फीसदी हो गई। अगर ये अनुमान बरकरार रहते हैं तो फिर नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश नहीं है। इस तरह, एमपीसी का निर्णय इन अवधियों और उनके बाद के अनुमानों से प्रभावित होगा। भविष्य में दर में कटौती की गुंजाइश तभी बनेगी जब अगले वित्त वर्ष के मुद्रास्फीति अनुमान 4 फीसदी के लक्ष्य से काफी नीचे चले जाएं। इस साल अच्छे मॉनसून (जिससे रबी की फसलों को भी मदद पहुंचेगा) के कारण खाद्य मुद्रास्फीति सहज रहने की संभावना है, जबकि मुख्य मुद्रास्फीति 4 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर रही है। कुछ विश्लेषकों ने आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति नरम रहने का अनुमान लगाया है लेकिन एमपीसी का निर्णय स्वयं इसके संशोधित अनुमानों पर निर्भर करेगा। एमपीसी कम से कम दो अन्य पहलुओं पर भी विचार करेगी। पहला, मांग बढ़ाने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। शुरू में आयकर राहत के माध्यम से और अब जीएसटी दरों में कमी के जरिये मांग बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। क्या आरबीआई को दरें अपरिवर्तित रखनी चाहिए या नीतिगत दर में कटौती के साथ मांग का समर्थन करना चाहिए? दूसरी बात, क्या मौजूदा स्तर पर ब्याज दर में कटौती वास्तव में मांग को ताकत देगी? उल्लेखनीय है कि नीतिगत दरों में कटौती का बाजार में ब्याज दरों में प्रसार सुचारू नहीं रहा है। 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड पर यील्ड 6 जून को नीतिगत दर में 50 आधार अंक की कटौती के बाद वास्तव में लगभग 25 आधार अंक बढ़ गई है।

राजस्थान में हर चौथी महिला घरेलू हिंसा पीड़ित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि प्रदेश में हर चौथी विवाहित महिला अपने पति से हिंसा का शिकार हो रही है। यह आंकड़े हमारे समाज की कड़वी सच्चाई को उजागर करते हैं, जिसमें पितृसत्तात्मक संरचनाओं और सामाजिक दबावों के कारण महिलाओं को अपनी आवाज उठाने में मुश्किल होती है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की हालिया जारी रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में घरेलू हिंसा एक गंभीर समस्या बन चुकी है। यह न केवल शारीरिक, बल्कि भावनात्मक और यौन उत्पीड़न के रूप में भी सामने आ रही है। रिपोर्ट कहती है कि प्रदेश में हर चौथी विवाहित महिला अपने पति से हिंसा का शिकार हो रही है। यह आंकड़े समाज की कड़वी सच्चाई को उजागर करते हैं, जिसमें पितृसत्तात्मक संरचनाओं और सामाजिक दबावों के कारण महिलाओं को अपनी आवाज उठाने में मुश्किल होती है। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में 18 से 49 वर्ष की विवाहिताओं में से 26.3 फीसदी महिलाओं ने अपने पति से शारीरिक, भावनात्मक या यौन हिंसा झेली है।

राजस्थान का आंकड़ा भले ही राष्ट्रीय औसत 31.9 फीसदी से बेहतर हो सकता है, लेकिन यह फिर भी घरेलू हिंसा की गंभीरता को उजागर करता है। इन आंकड़ों के जरिए यह स्पष्ट होता है कि घरेलू हिंसा केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी महिलाओं को प्रभावित कर रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पितृसत्तात्मक समाज, शिक्षा का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता, पुरुषों में नशे की प्रवृत्ति और न्याय प्रणाली तक सीमित पहुंच जैसी समस्याएं घरेलू हिंसा के प्रमुख कारण हैं। इन कारणों की वजह से महिलाएं अक्सर हिंसा का शिकार होती हैं और उनके पास अपनी सुरक्षा के लिए पर्याप्त साधन नहीं होते। वहीं सामाजिक दबाव भी महिलाओं की चुप्पी का कारण बनता है। अक्सर परिवार और समाज के दबाव के चलते महिलाएं इस हिंसा को सहन करती हैं और खुलकर अपनी समस्या का समाधान नहीं ढूंढ पातीं। इससे उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं प्रदेश की राजधानी जयपुर में भी घरेलू हिंसा के मामलों में चिंताजनक स्थिति पेश की है। पिछले कुछ वर्षों में घरेलू हिंसा की शिकायतों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र और वन स्टॉप सेंटर में 2020-21 से 2024-25 तक एक लाख से अधिक पीड़ित महिलाएं मदद के लिए पहुंची हैं, जिनमें सबसे ज्यादा महिलाएं जयपुर से हैं। घरेलू हिंसा में न केवल शारीरिक प्रताड़ना, बल्कि भावनात्मक और मानसिक प्रताड़ना, मारपीट, घर से बाहर निकालने की धमकी और यौन उत्पीड़न जैसी शिकायतें शामिल हैं। जयपुर जिले में पिछले पांच वर्षों में करीब 14,000 से अधिक महिलाएं मदद के लिए महिला सुरक्षा केंद्र पहुंची हैं। अगर आंकड़ों की बात की जाए तो प्रदेश में वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक 72,152 महिलाएं महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्रों पर पहुंची। इन आंकड़ों को देखें तो हर साल महिला हिंसा की शिकार महिलाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। इनमें साल 2020-21 में 5,898 महिलाएं, 2021-22 में 7,845 महिलाएं, 2022-23 में 9,089 महिलाएं, 2023-24 में 20,070 महिलाएं और साल 2024-25 में 29,250 महिलाएं सलाह केंद्रों पर पहुंची हैं। अगर जिलेवार आंकड़ों की बात करें तो जयपुर में पिछले पांच सालों में 14,102 महिलाएं मदद के लिए आईं। वहीं अजमेर में 4,372, कोटा में 4,246, अलवर में 3,090 और भीलवाड़ा में 3,008 महिलाओं ने घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। असल में इस जागरुकता के पीछे सरकारी और निजी संस्थाओं के प्रयास शामिल हैं। वोग इंडिया ने लड़के रुलाते नहीं... महिलाओं के साथ हिंसा के खिलाफ जागरुकता फैलाने के लिए यह अभियान चलाया। वहीं वैश्विक मानवाधिकार संगठन ब्रेकथ्रू ने घरेलू हिंसा के खिलाफ बेल बजाओ... अभियान चलाया।

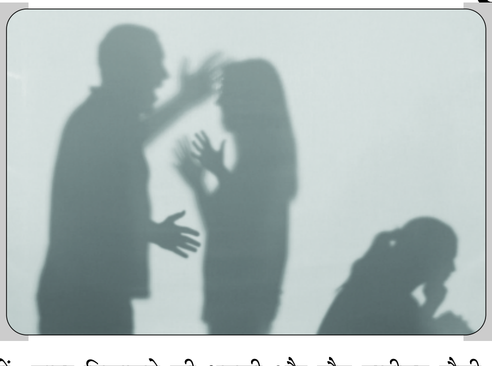

घरेलू हिंसा विवाह या सहवास जैसे रिश्तों के बाद एक साथी द्वारा दूसरे साथी के साथ शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार को दर्शाती है। वहीं अंतरंग साथी हिंसा जीवनसाथी के साथ होने वाली हिंसा की श्रेणी में आती है। धारणा है कि घरेलू हिंसा विपरीत लिंगी या समलैंगिक रिश्तों में भी हो सकती है। शारीरिक, भावनात्मक, मौखिक, आर्थिक और यौन शोषण, जिसमें बलात्कारी संबंध और हिंसक शारीरिक शोषण शामिल हैं, हिंसा के प्रकार हैं। घरेलू हिंसा के कारण मानसिक और शारीरिक नुकसान या मौत भी हो सकती है। वैश्विक रूप से महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार अधिक होती हैं, लेकिन पुरुष भी शिकार हो सकते हैं। विकसित देशों में महिलाएं खुलकर शिकायत करती हैं, जबकि पुरुषों के साथ हिंसा की शिकायत कम होती है, क्योंकि इससे उन्हें कायर या पुरुषत्वहीन माना जाता है। कभी-कभी पुरुष या महिला दोनों ही आत्मरक्षा या प्रतिशोध के कारण हिंसा का शिकार होते हैं।

देश में घरेलू हिंसा से बचाव के लिए सरकार ने कई कानून बनाए हुए हैं। इनके जरिए मदद ली जा सकती है। घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 को सरकार ने महिलाओं और बच्चों को घरेलू हिंसा से बचाने के लिए पारित किया है। अगर आप एक महिला हैं और आपके रिश्तेदारों में कोई आपके साथ दुर्व्यवहार करता है, तो आप इस अधिनियम के तहत पीड़ित मानी जाएंगी। वहीं मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 से देश में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना शुरू किया गया है, लेकिन इसे और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। नीति निर्माताओं को घरेलू हिंसा से उबरने वाले परिवारों को पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक ठोस तंत्र तैयार करने की जरूरत है। सरकार ने महिलाओं की मदद के लिए एकीकृत चिकित्सीय, कानूनी और मानसिक सेवाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर भी शुरू किया है। अब बात करते हैं समाधानों की। सरकार और विभिन्न संगठन महिला सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रहे हैं। हालांकि इन प्रयासों के बावजूद घरेलू हिंसा की समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हो पाई है। इसके लिए और अधिक जागरुकता, शिक्षा और न्याय प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। राजस्थान में महिला अत्याचार के मामले रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को न केवल सख्ती से निपटें, बल्कि महिला सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम भी उठाएं। महिलाओं को न केवल उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए आवश्यक सुरक्षा और सहायता भी दी जानी चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि हर महिला को अपनी सहायता के लिए सबसे पहले खुद आगे आना होगा, तभी उसे किसी न किसी रूप में मदद मिल पाएगी। *(ये लेखक के अपने विचार है)*

ऐसा संकट भी आता है... बोलना जब सत्य हो तो, 'चुप्पी' परछाई बन जाती है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हम बचपन से यही सुनते आए हैं, झूठ बोलना पाप है। ...और यह सब जानते भी है कि सच ही सत्य है। लेकिन कभी-कभी ऐसा संकट भी आता है कि सच अन्दर ही अन्दर हिलोरे लेता रहता है, लेकिन चुप्पी परछाई की तरह खड़ी हो जाती है। ऐसा हमेशा नहीं होता, किन्तु विरले ही ऐसे घटनाक्रम हम व्यक्ति के जीवन में आते हैं। कहते हैं ना कि... झूठ बोले कौआ काटे...। पर जब बात अपनी पर आ जाये तो... (संबंध कोई भी हो सकता है) हम पीछे नहीं हटते। वैसे सत्य बोलना सरल है, जबकि उसके परिणाम आसान हों। पर जब सत्य बोलने से रिश्ता टूट सकता हो, सम्मान खो सकता हो या मनमुटाव पैदा हो सकता हो, तब? तब सत्य पहाड़ बन जाता है और चुप्पी उसकी छाया। हर किसी ने अपने जीवन में कभी न कभी वह क्षण महसूस किया है जबकि मन के भीतर एक सच्चाई खलबली मचाती है, बोलना चाहती है, पर होंठ कांपते हैं। क्योंकि सामने अपना कोई होता है- मित्र, जीवनसाथी, माता-पिता या कोई ऐसा जिससे टकराव की कीमत बहुत बड़ी हो सकती है। ऐसे में हम अक्सर खुद से समझौता कर लेते हैं। सोचते हैं, "क्या जरूरी है अभी कहना? क्या फायदा? कहीं बात बिगड़ गई तो?"

लेकिन जो बात भीतर सच्चाई बनकर बैठी है, वह मौन में भी बोलती रहती है। वह हमारे व्यवहार में दिखती है, हमारी आंखों में झलकती है और कभी-कभी हमारे सपनों में चुपचाप रो देती है। सच बोलने का साहस, सिर्फ दूसरे को आईना दिखाने के लिए नहीं होता। वह खुद से ईमानदार होने की प्रक्रिया होती है। जब हम अपनी ही अंतरात्मा के सामने खड़े होते हैं, तो कई बार हमें यह तय करना होता है कि क्या मैं अपनी शांति के लिए थोड़ी अशांति का जोखिम उठाने को तैयार हूं?

एक बहुत सरल उदाहरण देखिए- कोई बहुत करीबी मित्र अगर अपने जीवन में किसी गलत राह पर जा रहा हो, तो क्या आप बोलेंगे? या सोचेंगे-'उसे अच्छा नहीं लगेगा', 'हमारा रिश्ता खराब हो जाएगा', 'वह मुझसे दूरी बना लेगा'? यह सोच हर किसी के मन में आती है और यही वह जगह है जहां सच बोलना तप बन जाता है।

लेकिन सत्य बोलना मतलब कठोर होना नहीं है। सत्य का स्वरूप तलवार नहीं होता। वह तो दीपक होता है। जिस तरह दीपक अंधकार को हटाता है वैसे ही सही समय पर, सही भावना से बोला गया सत्य, दूरी नहीं बढ़ाता बल्कि रिश्तों की नींव को और गहरा करता है। कुछ सच ऐसे होते हैं जिन्हें बोलने से पहले प्रेम का वस्त्र पहनाना पड़ता है। जैसे अगर किसी को उसकी आदतों या निर्णयों के बारे में कुछ कहना है, तो पहले यह जताना जरूरी होता है कि आप उसके हितैषी हैं, आलोचक नहीं। आपकी नीयत चोट पहुंचाने की नहीं, बल्कि रोशनी दिखाने की है। एक पुरानी सूफी कथा है- एक संत से पूछा गया, 'आप हमेशा सच बोलते हैं, क्या कभी किसी का दिल नहीं दुखा?' संत ने मुस्कुरा कर कहा, 'सच अगर खुद का दर्पण लेकर बोला जाए और प्रेम से बोला जाए, तो वह चोट नहीं देता, वह चुपचाप बदल देता है।'

आज जब सोशल मीडिया और दिखावे की दुनिया में हम 'क्या दिखाना है' पर ज़्यादा ध्यान देते हैं, तब सत्य बोलना एक विद्रोह जैसा हो गया है। सत्य बोलना अब केवल एक नैतिक मूल्य नहीं बल्कि आत्मिक साधना बन गया है। हर बार जब आप डर के बावजूद सच बोलते हैं, तो आपके भीतर कोई चीज़ मजबूत होती है। आप थोड़े और खरे बन जाते हैं। थोड़े और स्वतंत्र। क्योंकि झूठ की जंजीरें बाहर नहीं भीतर होती हैं। कभी-कभी सत्य कांटे जैसा चुभता है, उस चुभन का दर्द असहनीय होता है, पर समय आने पर वही कांटा फूल बनकर खिलता है। वक्त बीतता है, संबंध टूटते हैं या संवरते हैं, पर जो अपनी आत्मा से झूठ न बोले, वही सच में जीता है। हमेशा सच ही बोले।

आखर आखर झरे उजियार

मुस्कान की धरोहर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झेन जापानी समुदाय है,जो ध्यान पर आधारित विशिष्ट जीवन शैली के अनुसार जीवन व्यापन करता है। इस बार हम झेन गुरु का प्रसंग बताने जा रहें हैं।

एक विख्यात झेन गुरु थे। हमेशा संतुष्ट और प्रसन्नचित्त रहते। कोई भी उनकी स्थितप्रज्ञता को विचलित नहीं कर सकता था।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जब दुनिया से उनका विदा होने का समय आया, तब भी सदैव की तरह खुश खुश नज़र आ रहे थे। मौत की काली छाया से दूर वो शख्स बिना घबराए सहज नज़र आ रहा था।

अपनी चिरपरिचित शान और मुस्कान के साथ उन्होंने सभी शिष्यों को शयन कक्ष में इसलिए बुलाया कि अब उन्हें अलविदा कहा जाय।

जब वो मरण शैय्या पर शिष्यों से घिरे हुए लेटे थे, उनके एक अनुयायी ने उनकी चिरप्रसन्नता का रहस्य पूछा।

उनका जबाव था, मैं प्रतिदिन सवेरे आखें खोलता तो अपने से एक सामान्य सवाल करता,आज तुम प्रसन्न रहना चाहते हो या फिर दुःखी ? और प्रतिदिन ही मेरा जवाब होता,आज मैं प्रसन्न रहना चाहता हूँ।

और...जब मैं एक बार तय कर लेता हूँ तो बस अपने फैसले पर कायम रहता। यही मेरी खुशी का रहस्य है।

इस प्रातः कालीन निर्णय के अनुसार ही मैं आजीवन चलता रहा।यह उपदेश देकर उस महान गुरु ने सबको अलविदा कहा।

उस कमरे में उनके जाने के बाद किसी ने आंसू नहीं छलकाये।हँसते हँसते अपने गुरु को विदा कर दिया।

उन्होंने गुरु द्वारा प्रदत्त मुस्कान की धरोहर को हमेशा के लिए सम्भाल लिया। सकारात्मक चिंतन पर किताबें लिखने वाले सुप्रसिद्ध अमेरिकन लेखक नॉर्मन विन्सेंट पील ने कहा था, सुबह उठते ही हमारे पास दो विकल्प होते हैं। या तो खुश रहना या दुखी रहना। आप खुश रहना चुनें।

रामनवमी और महानवमी

हिंदू धर्म में कई सारे त्योहार ऐसे होते हैं, जिनका नाम एक होता है। लेकिन उन्हें मनाने का महत्व अलग-अलग होता है। इसलिए हर जगह पर इन्हें अपने अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। ऐसे ही राम नवमी और महा नवमी का त्योहार होता है। अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में पड़ जाते हैं कि राम नवमी और महानवमी एक ही होती है। लेकिन ऐसा नहीं है। इनका महत्व और अंतर दोनों ही अलग होते हैं। इसलिए इन्हें मनाने का तरीका भी होता है। चलिए आपको भी बताते हैं कि रामनवमी और महानवमी में अंतर क्या होता है.. साथ ही, उनके लोगों के बीच क्या खासियत है।

राम नवमी का त्योहार इसलिए मनाया जाता है। क्योंकि इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। भगवान राम को भगवान विष्णु का सातवें अवतार कहा जाता है। उनका जन्म अयोध्या के महाराज दशरथ के यहां हुआ था। आपको बता दें कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमीं तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में माता कौशल्या ने भगवान राम को जन्म दिया था। जिस समय भगवान राम का जन्म हुआ था, उस समय पांचों ग्रह उच्चतम स्थिति में मौजूद थे। इसलिए रामनवमी, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इसे राम नवमी कहते हैं। जिस तरह नवमी में भगवान राम की पूजा की जाती है। वैसे ही महानवमी में मां दुर्गा की पूजा का भी काफी महत्व होता है। महानवमी नवरात्रि के नौ दिनों के अंत में मनाई जाती है। इस समय दुर्गा पूजा का काफी महत्व होता है। ऐसा कहा जाता है कि महानवमी में देवी दुर्गा द्वारा राक्षस महिषासुर का वध हुआ था। इसलिए इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है। इसे शारदीय नवरात्रों में मनाया जाता है। इसलिए इस दिन माता दुर्गा की पूजा होती है।

ओपिनियन

नवरात्र: आत्मशुद्धि, आत्मानुशासन के साथ तन, मन और आत्मा के जागरण का पर्व

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वर्तमान समय में जब जीवन निरंतर भागदौड़, तनाव और असंतुलन से ग्रस्त होता जा रहा है, ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या पारंपरिक धार्मिक पर्व जैसे शारदीय नवरात्रि आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं? उत्तर है- हां, पहले से कहीं अधिक। नवरात्रि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन, आत्मानुशासन, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक एकता का अवसर है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन में शक्ति केवल बाह्य साधनों से नहीं, बल्कि भीतर की साधना और संतुलन से आती है।

मानसिक शुद्धि और आत्मानुशासन का मार्ग

नवरात्र का प्रमुख उद्देश्य केवल देवी की पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भीतर की अशुद्धियों को साफ करने का अवसर भी है। व्रत, उपवास, ध्यान और संयम जैसी विधियां व्यक्ति को नकारात्मकता, तनाव और भ्रम से मुक्त करती हैं। आधुनिक जीवनशैली में जहां मानसिक थकावट आम हो गई है, वहां यह पर्व एक तरह का मानसिक रिफ्रेश बटन साबित होता है। इन नौ दिनों में किया गया आत्मसंयम, विचारों की शुद्धता और सकारात्मक सोच का अभ्यास मानसिक संतुलन को पुनः स्थापित करता है। यह पर्व बताता है कि मन की शक्ति यदि अनुशासित हो जाए, तो जीवन की कोई भी चुनौती बड़ी नहीं रहती।

स्वास्थ्य सुधार और नेचुरल डिटॉक्स का अवसर

नवरात्र के दौरान सात्विक और सीमित आहार का सेवन, पानी का भरपूर उपयोग और समय पर भोजन जैसी आदतें शरीर को डिटॉक्स करने में सहायक होती हैं। यह एक प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की तरह है, जो बिना किसी दवा के ही शरीर को साफ, स्वस्थ और ऊर्जावान बनाती है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि उपवास और संयमित जीवनशैली पाचन तंत्र को आराम देती है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं स्वतः ठीक हो जाती हैं। शरीर, मन और आत्मा तीनों के संतुलन के लिए यह पर्व एक प्राकृतिक थेरेपी जैसा है।

सामाजिक जुड़ाव और सामूहिक ऊर्जा का संचार

नवरात्र केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित नहीं है। दुर्गा पूजा, गरबा, डांडिया, रामलीला जैसे आयोजन समाज को एक सूत्र में पिरोते हैं। जब पूरा समाज किसी उत्सव में एक साथ भाग लेता है, तो एक विशेष प्रकार की सकारात्मक सामूहिक ऊर्जा का संचार होता है, जो व्यक्ति के आत्मबल और सामाजिक सुरक्षा दोनों को मजबूत करता है। आज की डिजिटल और एकाकी दुनिया में ऐसे सामूहिक पर्व समाज में संपर्क, समर्पण और सहभाव को बढ़ावा देते हैं। यही सामाजिक स्थायित्व किसी भी मानसिक तनाव से लड़ने की नींव बनता है।

श्रीमद्‌जगद्‌गुरु स्वामी श्री राजेंद्र दास जी महाराज
(श्री अग्रपीठाधीश्वर (रैवासाधाम, सीकर), श्रीमलूकपीठाधीश्वर (श्रीधाम वृंदावन); संस्थापक-श्रीजड़खोर गोधाम, डीग

आंतरिक शक्ति और संघर्ष से विजय की प्रेरणा

नवरात्रि की मूल कथा – मां दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध – केवल एक पौराणिक घटना नहीं, बल्कि जीवन के संघर्षों पर विजय का प्रतीक है। यह पर्व व्यक्ति को प्रेरणा देता है कि हर असुर (डर, क्रोध, लोभ, तनाव) को मात देने की शक्ति हमारे अंदर ही निहित है। आज का इंसान जितना बाहरी दुनिया से जूझ रहा है, उतना ही अपने भीतर की असुरताओं से भी संघर्ष कर रहा है। नवरात्र यह याद दिलाता है कि अगर हम अपनी भीतरी 'शक्ति' को जाग्रत कर लें, तो कोई भी परिस्थिति असंभव नहीं रहती।

परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन का पुल

नवरात्रि एक ऐसा पर्व है जो संस्कृति और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाता है। आज के युवा भले ही स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और व्यस्त जीवनशैली से जुड़े हों, लेकिन गरबा नाइट्स, इंस्टाग्राम चैलेंज, यूट्यूब भक्ति गीतों के ज़रिए वे भी इस पर्व में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे यह पर्व न केवल जीवंत बना रहता है, बल्कि पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक संवाद को भी मजबूत करता है। नवरात्र हमें यह सिखाता है कि आधुनिक जीवन जीते हुए भी हम अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े रह सकते हैं। कुल मिलाकर नवरात्रि एक दिव्य योग है- धर्म, भक्ति, शक्ति और स्वास्थ्य का। यह पर्व केवल देवी की मूर्तिपूजा नहीं, बल्कि आत्मबल की जागरूकता, मानसिक शुद्धि और जीवन की दिशा को संतुलित करने का माध्यम है। आज के समय में जब हर व्यक्ति किसी न किसी असंतुलन, तनाव या द्वंद्व से गुजर रहा है, ऐसे में नवरात्र उसे पुनः भीतर की शक्ति को पहचानने, संयम अपनाने और सकारात्मक ऊर्जा से भर जाने का अमूल्य अवसर देता है। तो आइए, इस नवरात्रि अपने भीतर की देवी शक्ति को जागृत करें और जीवन के हर असुर पर विजय पाएं। यही नवरात्रि का असली संदेश है।

पंचांग

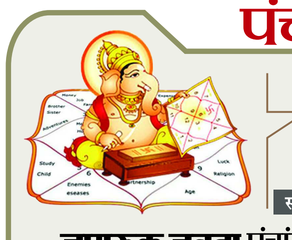

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 01/10/2025

सूर्योदय : 06:23 **सूर्यास्त** : 18:09 **चन्द्रोदय** : 14:29 **चन्द्रास्त** : 00:02 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : आश्विन **पूर्णिमांत** : आश्विन **सूर्य राशि** : कन्या **चन्द्र राशि** : धनु **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : नवमी, 18:55 तक **वार** : बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु** - शरद **द्रिक-वैदिक अयन**- दक्षिणायन **कलियुग वर्ष** - 5126 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 07:57 तक
योग : अतिगंदा, 24:27 तक
प्रथम करण : बालवा, 06:39 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 18:55 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:37 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:01 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:09 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:07 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:07 पी एम से
अमृत काल	2:31 ए एम, अक्टूबर 2 से
निशिता मुहूर्त	11:46 पी एम से
रवि योग	08:06 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 06:22 - 07:50
अमृत	: 07:50 - 09:18
काल काल वेला	: 09:18 - 10:47
शुभ	: 10:47 - 12:15
रोग वार वेला	: 12:15 - 13:43
उद्वेग	: 13:43 - 15:12
चर	: 15:12 - 16:40
लाभ	: 16:40 - 18:08

रात का चौघड़िया

उद्वेग	: 18:08 - 19:40
शुभ	: 19:40 - 21:12
अमृत	: 21:12 - 22:43
चर	: 22:43 - 00:15
रोग	: 00:15 - 01:47
काल	: 01:47 - 03:19
लाभ	: 03:19 - 04:51
उद्वेग	: 04:51 - 06:22

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी

आज कौन सा कार्य करें

नवमी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, शुक्ल, नवमी, 2082 बुधवार, 01 अक्टूबर - 07 अक्टूबर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यों का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ज, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

सांगानेर विधानसभा को मिली नई रफ्तार 700 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, मुख्यमंत्री भजनलाल ने किया लोकार्पण और शिलान्यास

गोपालपुरा बाईपास पर बनेगी 2.16 किमी ऐलीवेटेड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी तक निर्मित होने वाले एलिवेटेड रोड का त्रिवेणी नगर चौराहे पर शिलान्यास किया। शर्मा ने विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ परियोजना की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने परियोजना के मॉडल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि इस फोरलेन एलिवेटेड रोड से गोपालपुरा बाईपास पर आवागमन सुगम होगा। परियोजना के पूर्ण होने पर 10बी, न्यू सांगानेर रोड, रिद्धी-सिद्धी, गुर्जर की थड़ी और इनसे जुड़े क्षेत्रों में यातायात दबाव भारी कमी आएगी। साथ ही, यह एलिवेटेड रोड मानसरोवर, अजमेर रोड और मालवीय नगर तक बेहतर कनेक्टिविटी भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में नगरीय एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावट, जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

218 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा 2160 मीटर लंबा एलिवेटेड रोड

लगभग 218 करोड़ की लागत से इस 2160 मीटर लंबे और 17.20 मीटर चौड़े एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा। इस एलिवेटेड रोड में 88 पिलर्स होंगे। इस परियोजना के अंतर्गत महेश नगर जंक्शन पर 20 मीटर लंबाई का अंडरपास भी बनेगा। साथ ही, एलिवेटेड रोड के दोनो तरफ 10.5-10.5 मीटर चौड़ाई में सर्विस रोड तथा 1.5 मीटर यूटिलिटी सर्विस के साथ 2-2 मीटर के फुटपाथ मय ड्रेन का निर्माण भी होगा।

परियोजनाओं का शिलान्यास

- » पृथ्वीराज नगर दक्षिण क्षेत्र से लगते हुए सांगानेर क्षेत्र जोन दो में स्वर्ण विहार सिविल लाइन का कार्य।
- » सांगानेर के बंबाला क्षेत्र में सीवरेज कार्य हेतु मुख्य ट्रंक लाइन का कार्य
- » वंदे मातरम सड़क गोपालपुरा बायपास से पत्रकार रोड जंक्शन तक सड़क व नवीनीकरण कार्य।
- » अजमेर रोड से जयसिंहपुरा रोड वाया 200 फीट सेक्टर रोड पर ड्रेनेज सिस्टम बनाने का कार्य।
- » इस्कॉन रोड पर रेलिंग और इंटरलॉकिंग टाइल लगाने का कार्य।
- » जेडीए जॉन 11 सांगानेर के मदरामपुरा कच्ची बस्ती मुख्य इंटरनल रोड बनाने का कार्य
- » जेडीए जोन 8 क्षेत्र में 200 फीट सेक्टर रोड से 160 सेक्टर रोड मुहाना मंडी रोड कार्य
- » न्यू सांगानेर रोड से बाबा पैराडाइज तक पी आर एन दक्षिण क्षेत्र में 100 फीट चौड़ी सेक्टर सड़क का निर्माण
- » जॉन 11 क्षेत्र में गणपतपुरा में सीसी सड़क का निर्माण कार्य
- » जोन 8 में मोती नगर से रामपुरा फाटक वाया दादू दयाल नगर कल्याणपुर सरकारी स्कूल तक सड़क निर्माण, नवीनीकरण कार्य
- » सांगानेर स्टेडियम से जयपुर नगर निगम ग्रेटर सांगानेर ऑफिस तक 80 फीट सड़क का नवीनीकरण का कार्य।

प्रयागराज महाकुंभ के पवित्र जल से हुए महाशिवाभिषेक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रयागराज महाकुंभ 2025 से लाए गए पवित्र गंगाजल से जयपुर में अब तक का सबसे बड़ा शिव महाभिषेक आयोजित किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था और भक्ति का अद्वितीय अनुभव प्राप्त किया। यह आयोजन इतना अलौकिक और भावपूर्ण रहा कि उपस्थित लोग इसे जीवन का अविस्मरणीय क्षण मान रहे हैं।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लंदन मल्टीनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कर विशेष मान्यता दी गई। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत जी ने कार्यक्रम के मुख्य आयोजक गब्बर कटारा और ras पंकज ओझा को सम्मानित किया और लंदन मल्टीनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा मुख्य आयोजक गब्बर कटारा और RAS पंकज ओझा को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के संरक्षक कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत जी रहे। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में यह आयोजन और भी भव्य एवं सफल बन पाया। गहलोत जी ने इसे "आस्था और संस्कृति का अनुपम संगम" बताते हुए जयपुरवासियों को बधाई दी।

विद्याधर नगर डीपो की बीकानेर-जयपुर के बीच रोडवेज बस सेवा शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर से बीकानेर और बीकानेर से जयपुर के लिए रोडवेज की एक बस सेवा शुरू हुई है। यह बस बीकानेर से जयपुर छह घंटे में पहुंचेगी। बस फतेहपुर-लक्ष्मणगढ़ बाइपास से होकर जाएगी। बस को विद्याधर नगर डिपो जयपुर के मुख्य प्रबंधक पवन तिवाड़ी, यातायात निरीक्षक मुदित कटोड़ा एवं यातायात प्रबंधक नंदकिशोर मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यातायात निरीक्षक मुदित कटोड़ा ने बताया कि यात्रीभार एवं त्योहारी सीजन को देखते हुए जयपुर से बीकानेर के लिए एक और बस सेवा शुरू की गई है। यह बस जयपुर से सुबह साढ़े पांच बजे रवाना होगी। बस सात बजे सीकर और दोपहर 12 बजे बीकानेर पहुंचेगी। यह बस फतेहपुर-लक्ष्मणगढ़ बाइपास होते हुए रतनगढ़ पहुंचेगी। रतनगढ़ बस स्टैंड पर दो मिनट का ठहराव करेगी। वहां से राजलदेसर, श्रीडूंगरगढ़ होते हुए बीकानेर आएगी।

जागृति प्रांगण में गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित निवारु रोड पर जागृति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन जागृति गुप एवं अन्य सहयोगियों के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस भव्य आयोजन की तैयारि मन्जू शर्मा (पूर्व उपाध्यक्ष, विप्र कल्याण बोर्ड, राजस्थान सरकार) ने बताया पूरे एक माह पहले से ही धूमधाम से शुरू कर दी गई थीं। गरबा के ड्रेस कोड का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागी पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आए। जैसे ही गरबा गीतों की थाप बजी– ढोल-नगाड़ों की ताल और माँ अम्बे के भजन–तो पूरा प्रांगण उत्साह और भक्ति से गूंज उठा। बच्चे, युवा और महिलाएँ सभी गरबा की ताल पर देर रात तक थिरकते रहे। आयोजन समिति और भव्या शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारा, ऊर्जा और परंपराओं से जुड़ाव को मजबूत करते हैं। उपस्थित दर्शकों ने भी आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की और हर वर्ष इसे और बड़े स्तर पर करने की मांग की। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक जागृति परिवार, खुशनुमा प्रॉपर्टी, सी के पापड़, शगुन फाइनेंस, एकता डीजे साउंड, मालाबार ज्वैलरी, सॉल्यूशन इंडिया, अन्नपूर्णा नारी संगठन, व्यास सेवा संस्थान, दाधीच ब्राह्मण संस्थान, भगवती नारी संगठन और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

"आत्मनिर्भर भारत- विकसित भारत विषय पर चैम्बर भवन में प्रबुद्ध जनसंवाद सम्मेलन

समाज, सरकार और उद्यमी एकजुट होंगे तो आत्मनिर्भर भारत बनेगा-चतुर्वेदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सेवा पखवाड़ा के उपलक्ष्य में आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत विषय पर एक प्रबुद्ध जनसंवाद सम्मेलन का आयोजन राजस्थान चैंबर भवन में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य नागरिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत तथा सामाजिक संगठनों के बीच संवाद स्थापित कर आत्मनिर्भर भारत विकसित भारत की अवधारणा को अधिक सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अरुण चतुर्वेदी, अध्यक्ष, राजस्थान वित्त आयोग रहे। अपने सारगर्भित संबोधन में उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता, नीति निर्धारण में जनभागीदारी तथा सुशासन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब समाज, सरकार और उद्यमी एकजुट होकर विचार करते हैं, तभी आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना वास्तविक रूप लेती है।" उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा, जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी को समझ कर उसमें भागीदारी निभाए। चैंबर के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को एक दूरदर्शी, प्रभावशाली एवं ऐतिहासिक पहल करार दिया। इस अवसर पर जयपुर की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, राजस्थान चैंबर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डी एस भंडारी, डॉ अरुण अग्रवाल, सुधीर पालीवाल, डॉ आरएस जैमिनी, उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश, मानद महासचिव आनंद महरवाल, विजय गोयल सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध वक्ताओं, नीति विशेषज्ञों, समाजसेवियों तथा युवा उद्यमियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

श्रेष्ठ गृहिणी सम्मान व कवि सम्मेलन के साथ दो पुस्तकों का विमोचन

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स में क्षितिज शक्ति के तत्वाधान में शहर की लगभग सौ नारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय कवि ब लेखक अमित आजाद और ओज कवि व लेखक नवीन कानूनगो ने किया।इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीजेपी से संस्कृति प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष शालिनी शर्मा, हरियाणा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी नंदा डगला, मशहूर शायरा मालिका नसीम और ऋचा शर्मा उपस्थित रहीं। कवि नवीन कानूनगो ने शिवशक्ति की वैरागी वाली रचना से श्रोताओं को रोमांचित किया तो गीतकार अमित आजाद ने तुम्हारा अभिनन्दन है राम और कृष्ण राधा का विछोह गीत आओ बैठो प्रिए बात हमसे करो ...पढ़कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। हास्य कवि वेद दाधीच ने बेटी की रचना पढ़ कर सभी को रोमांचित किया,कवयित्री ऊषा दास ने अपनी श्रेष्ठ रचना पढ़ी,कवयित्री ऋतु भारद्वाज और युवा कवयित्री निकिता कसाना ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन में लेखक अमित आजाद की पुस्तक प्रथम कौन्तेय (कर्ण)और कवि नवीन कानूनगो की काव्य संग्रह काव्य समर्पण का विमोचन भी किया गया। इस आयोजन में समाज सेवक कमल गुप्ता और अध्यापिका और समाज सेविका रंजीता गोस्वामी ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

एडवोकेट हेमराज बने विराज फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** विराज फाउंडेशन चौमूं के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने प्रदेश कार्यालय पर वरिष्ठ अधिवक्ता हेमराज यादव को संगठन के विधि प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष पद पर उन्हें विधिवत नियुक्ति पत्र सौंपकर दायित्व प्रदान किया गया। एडवोकेट यादव लम्बे समय से विधिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं और समाजसेवा में भी उनकी गहरी रुचि रही है। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने एडवोकेट यादव को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन की नीतियों और मूल्यों का कुशल संचालन करते हुए जनहित में सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

एएएस अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्तल ने किया राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार किया है। जयपुर के समाजसेवी राधेश्याम अग्रवाल को राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया गया है। इस मौके पर राधेश्याम अग्रवाल ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा मुझे जो दायित्व सौंपा है। उसे मैं पूरी निष्ठा से पूरा करने का प्रयास करूंगा। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार के अनेको वरिष्ठजनो ने विश्वास जताया की राधेश्याम अग्रवाल का सहयोग एवं समर्पण संस्था को मजबूती प्रदान करेगा और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूती मिलेगी।

रेरा का पोर्टल वर्जन 2.0 में अपग्रेड, अब सेवाएं होंगी अधिक तेज और पारदर्शी

नए पोर्टल से प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेशन, कम्पलेन्ट प्रक्रिया सरल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेरा राजस्थान ने हितधारकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेरा पोर्टल का नया वर्जन-2.0 शुरू किया है। वर्जन https://rera.rajasthan.gov.in वर्ष 2018 से संचालित वर्जन-1.0 के स्थान पर लागू किया गया है। राजस्थान रेरा के रजिस्ट्रार ने बताया कि रेरा राजस्थान के नए पोर्टल वर्जन 2.0 से प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेशन और कम्पलेन्ट प्रक्रिया और सरल बन गई है। इस अपग्रेड से रेरा कि सेवाएं अधिक तेज और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने बताया कि नए पोर्टल को और अधिक सुदृढ़ और उपयोगी बनाने के लिए आईटी टीम निरंतर कार्यरत है।

रेरा रजिस्ट्रार ने बताया कि सितम्बर माह में वर्जन 2.0 पर 41 नए प्रोजेक्ट्स का रजिस्ट्रेशन हुआ है। इसी अवधि में 30 नई कम्पलेन्ट्स दर्ज की गई तथा लगभग 250 कम्पलेन्ट पत्रावलियों में ऑनलाइन शो-कॉज नोटिस, हियरिंग नोटिस एवं लिस्टिंग नोटिस जारी किये गये हैं। वर्जन 2.0 के माध्यम से रेरा कोर्ट की कार्यवाही भी अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुचारू रूप से संचालित हो रही है। प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेशन एवं कम्पलेन्ट रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल्स सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। साथ ही, अन्य मॉड्यूल्स में आ रही असुविधाओं का समाधान किया जा रहा है। वर्जन-1.0 से वर्जन-2.0 पर माइग्रेशन की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है, ताकि हितधारकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि हितधारकों की शिकायतों के शीघ्र निराकरण हेतु डेडिकेटेड आईटी टीम गठित की गई है।

विद्यार्थी हो रहे तंबाकू मुक्त विद्यालय से रूबरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ जयपुर द्वितीय एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में जयपुर द्वितीय जिले के ब्लॉक बस्सी, चाकसू, सांगानेर, माधोराजपुरा, जोबनेर, सांभर, तूंगा, दूदू, मौजमाबाद, फागी कोटखावदा, किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर शहर क्षेत्र में निजी एवं सरकारी विद्यालयों/ महाविद्यालयों मैं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय एवं तंबाकू मुक्त महाविद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया गया। जयपुर द्वितीय जिला क्षेत्र में स्कूल कॉलेज में सोसाइटी द्वारा विभिन्न प्रकार के बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिसर मैं 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए कोटप्पा अधिनियम 2003 एवं 200 के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ निबंध,चित्र लेखन,वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है तथा प्रथम आने वाले विद्यार्थी को सम्मानित भी किया जा रहा है सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया इस क्षेत्र में सोसाइटी के परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधि गौरव मिश्रा, जितेंद्र शर्मा, पुरूषोतम शर्मा द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा है। सोसाइटी एवं विभाग का लक्ष्य विद्यालयों / महाविद्यालयों को पूर्ण रूप से तंबाकू मुक्त बनाना है।

दीपावली पर उच्च गुणवत्ता के साथ मिलेंगे किफायती उत्पाद

अब 15 किलो सरस घी का टीन करीब 600 रुपए सस्ता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने शासन सचिवालय परिसर में सरस पार्लर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी में कटौती का सीधा लाभ अब उपभोक्ताओं को मिलेगा। सरस के कई उत्पाद पहले से सस्ते हो गए हैं। मंत्री कुमावत ने बताया कि पहले ट्रेटा पैक दूध और पनीर पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता था, जिसे अब पूरी तरह हटा दिया गया है। वहीं, घी, बटर और फ्लैवर्ड मिल्क पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। अब 15 किलो सरस घी का टीन करीब 600 रुपए सस्ता हो गया है। इसी तरह फ्लैवर्ड मिल्क तीन रुपए, टेबल बटर (100 ग्राम) चार रुपए, टेबल बटर (500 ग्राम) 18 रुपए और पनीर 200 ग्राम पर तीन रुपए व एक किलो पर 18 रुपए तक की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस पहल से सरस उत्पादों की बिक्री में बढ़ोतरी होगी और ग्राहकों को दीपावली पर उच्च गुणवत्ता के साथ किफायती उत्पाद उपलब्ध होंगे।

सातों दिन रात 11 बजे तक खुलेगा पार्लर

जयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने बताया कि सचिवालय सरस पार्लर के खुलने से अब जयपुर डेयरी के 169 पार्लर संचालित हो रहे हैं। यहां उपभोक्ताओं को सरस के शुद्ध दुग्ध उत्पादों के साथ भोजन थाली, साउथ इंडियन व्यंजन, सरस पनीर पकोड़ा, जलेबी और विभिन्न प्रकार की आइसक्रीम भी उपलब्ध होंगी। पार्लर सप्ताह के सातों दिन रात 11 बजे तक खुला रहेगा।

सचिवालय और आमजन दोनों के लिए खास

इस पार्लर की विशेषता यह है कि इसका एक प्रवेश द्वार सचिवालय के अंदर से है, जिससे सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी पार्लर पर आकर सीधे लाभ उठा सकेंगे। वहीं, दूसरा गेट मुख्य सड़क की ओर है, जिससे आसपास स्थित कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी और आम उपभोक्ता भी आसानी से यहां आकर उत्पाद खरीद सकेंगे।

जयपुर सहित कई जिलों में झमाझम बारिश, अलर्ट जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मानसून की विदाई के बाद एक बार फिर से मौसम बदल गया है। जयपुर सहित कई जिलों में मंगलवार को झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक कच्छ क्षेत्र के ऊपर एक वेल मार्क लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। वायुमंडल के निचले स्तरों में एक ट्रफ लाइन उत्तर पश्चिमी राजस्थान के ऊपर सक्रिय है। इसके प्रभाव से जयपुर, अलवर, सीकर, दौसा, अजमेर, जैसलमेर, धौलपुर और नागौर सहित कई जगहों पर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार मेघगर्जन के साथ हल्की-मध्यम बारिश की गतिविधियां अगले 3-4 कुछ भागों में जारी रहने की संभावना है। राजधानी जयपुर में मंगलवार दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। शहर में गोपालपुरा, सांगानेर, जगतपुरा, टोंक रोड, जेएलएन मार्ग समेत कई इलाकों में तेज बारिश हुई। तेज बारिश के बाद अजमेर रोड पर कमला नेहरू नगर में सर्विस लेन पर पानी भर गया। बारिश के कारण मौसम थोड़ा ठंडा हो गया है। अलवर शहर में 20 मिनट तक हुई जोरदार बारिश हुई। बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। आसपास के इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं अच्छी बारिश दर्ज की गई। दौसा में सिकराय, महुवा में तेज बारिश का हुई। बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली है। जैसलमेर के रामदेवरा, पोकरण, नाचना सहित जिले में कई जगहों पर तेज बारिश हुई।

फिर आएगा नया पश्चिमी विक्षोभ

इस बीच बंगाल की खाड़ी में आगामी 24 घंटों में एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। साथ ही एक नया पश्चिमी विक्षोभ 5-8 अक्टूबर को सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य में पुनः 6 से 8 अक्टूबर के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है।

खातीपुरा के व्यापारी मनाएंगे काली दिवाली, झारखंड मोड़ से खातीपुरा तिराहे तक रहेगा अंधेरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हर साल खातीपुरा बाजार में दिवाली के मौके पर जगमगाहट रहती थी। रोशनी, सजावट और भीड़ से बाजार गुलजार रहता था। लेकिन इस बार व्यापारियों ने 'काली दिवाली' मनाने का ऐलान किया है। खातीपुरा व्यापार मंडल ने साफ कर दिया है कि झारखंड मोड़ से लेकर खातीपुरा तिराहे तक कोई सजावट या लाइटिंग नहीं की जाएगी। दुकानदारों का कहना है कि जब व्यापार ही बर्बाद हो गया तो रोशनी करने का कोई मतलब नहीं। जेडीए की हाल ही में की गई कार्रवाई ने यहां के व्यापारियों की दशकों पुरानी मेहनत पर पानी फेर दिया है। झारखंड मोड़ से खातीपुरा तिराहे तक करीब 105 दुकानों को अतिक्रमण बताकर तोड़ दिया गया है। इसके चलते खातीपुरा के सैकड़ों परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।

दशकों पुराने व्यापार पर गिरी गाज.

जिन दुकानों को तोड़ा गया, उनमें से कई सालों से यहां चल रही थी और पीढ़ियों का कारोबार जुड़ा था। खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ ने कहा कि मैं 1994 में अध्यक्ष बना था। लेकिन पहली बार देख रहा हूं कि हमारे साथी व्यापारी पूरी तरह बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं। जिन दुकानों को तोड़ा गया था। उनमें से मुश्किल से 10-15 ने दोबारा शुरूआत की है। वह भी अपने घरों को अस्थायी दुकान बनाकर की है।

मकान बने सहारा, लेकिन कारोबार फेल

जिन दुकानदारों के मकान दुकानों के पीछे थे, उन्होंने किसी तरह अस्थायी रूप से दुकान शुरू की है। लेकिन इस तरह का कारोबार टिकाऊ नहीं है और न ही पहले जैसी रौनक ला पा रहा है। जिन परिवारों का पूरा जीवन व्यापार पर आधारित था, वे अब आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

खातीपुरा बाजार की पहचान

खातीपुरा का बाजार जयपुर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में गिना जाता है। यहां करीब 3500 से ज्यादा व्यापारी खातीपुरा व्यापार मंडल से जुड़े हुए हैं। यह बाजार खातीपुरा तिराहे से झारखंड मोड़ से खातीपुरा तिराहा, खातीपुरा तिराहा से रानी बाजार की पुलिया और रानी बाजार की पुलिया से लेकर खिरनी फाटक तक फैला हुआ है। यहां कपड़े, किराना, स्टेशनरी, इलेक्ट्रॉनिक और रोजमर्रा की जरूरत की सैकड़ों दुकानें इस बाजार की पहचान रही हैं। दिवाली, होली, तीज-त्योहारी सीजन में यहां खासी भीड़ रहती थी।

राजनीति में उलझा मामला

व्यापारियों का आरोप है कि इस कार्रवाई के पीछे राजनीतिक दखल और दबाव भी शामिल रहा है। अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ ने कहा कि हम चाहकर भी दुकानों को टूटने से नहीं बचा पाए। विधायक गोपाल शर्मा भी हमारे साथ खड़े थे, लेकिन वह भी कुछ नहीं कर पाए। मामला बड़े स्तर पर राजनीति में उलझा और इसका खामियाजा हम व्यापारियों को भुगतना पड़ा।

खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स प्रशिक्षण का प्रथम बैच प्रारम्भ

झालावाड़ @ जागरूक जनता। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानक एवं अध्यक्ष डॉ. महेश चौधरी ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्रद्वारा कृषि क्षेत्र में सतत् विकास और उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स के लिए जिले की विभिन्न ग्राम सेवा सहकारी समितियों से 35 व्यवस्थापकों के प्रथम बैच का प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा के प्रभारी डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा ने जैव उर्वरकों के बारे में जानकारी प्रदान की।

पिंकसिटी प्रेस क्लब की 34वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

2024-25 के आय-व्यय लेखा-जोखा, बैलेन्स सीट एवं ऑडिट रिपोर्ट पारित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब लि. जयपुर की वार्षिक साधारण सभा की बैठक क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा की अध्यक्षता में मंगलवार 30 सितम्बर को रजिस्टर्ड कार्यालय 54, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर में प्रातः 11.30 बजे आयोजित की गई।

महासचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि वार्षिक साधारण सभा की बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्यय लेखा-जोखा, बैलेन्स सीट एवं ऑडिट रिपोर्ट को पारित कर अनुमोदित (पास) किया। पिंकसिटी प्रेस क्लब लि. जयपुर के आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अंकेक्षक अनिल शेखावत एण्ड कम्पनी और कम्पनी सचिव महेन्द्र प्रकाश खण्डेलवाल को नियुक्ति किया गया।

बैठक में क्लब के साधारण सदस्यों ने भाग लिया। क्लब कोषाध्यक्ष विकास शर्मा ने क्लब की वर्तमान वित्तीय स्थिति के बारे में बताया। वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी उपाध्यक्ष डॉ. मोनिका शर्मा, परमेश्वर प्रसाद शर्मा कार्यकारिणी सदस्य मणिमाला शर्मा, ओमवीर भार्गव, दिनेश कुमार सैनी, दीपक सैनी, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, निखलेश कुमार शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, उमंग माथुर, विकास आर्य उपस्थित रहे।

बैठक में क्लब की वित्तीय स्थिति, क्लब संचालन एवं क्लब में अनुशासन को बनाएं रखने के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में क्लब के पूर्व अध्यक्ष एल. एल. शर्मा, डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, नीरज मेहरा, राधारमण शर्मा, पूर्व महासचिव महेश चन्द गुप्ता, रोशन लाल शर्मा, योगेन्द्र पंचौली, पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, कानाराम कड़वा, गिरिराज प्रसाद गुर्जर, वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा, विनोद चतुर्वेदी, अशोक राही, शंकर नागर, अखिलेश ध्यानी राहुल भारद्वाज, जितेन्द्र सिंह राजावत, शंकर शिखर, दिलीप शर्मा, प्रदीप शेखावत, राम सिंह राजावत सहित अनेक साधारण सदस्यों ने भाग लिया।

हर्षोल्लास से ऑस्ट्रिच ग्लोबल स्कूल में मनाया डांडिया नाइट महोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ऑस्ट्रिच ग्लोबल स्कूल में डांडिया नाइट का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस आयोजन का सफल संचालन स्कूल के डायरेक्टर प्रवीण मीना और शीतल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मिस इंडिया श्वेता मोदी ने शिरकत की और विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, विशेष अतिथि के तौर पर अधिग्रहण निरोधक समिति के चेयरमैन, वार्ड नंबर 35 नगर निगम जयपुर के पार्षद मनोज मुदगल और एम्प्रेस क्लब की संस्थापक खुशबू भारद्वाज शामिल थीं। डांडिया नाइट में बच्चों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगे परिधानों और पारंपरिक संगीत की धुनों पर झूमते हुए सभी ने गरबा और डांडिया का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम ने सांस्कृतिक परंपरा और आधुनिक उत्सव का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। अंत में सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना की और ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

अंतिम दिन नॉन-स्टॉप ट्रेडिशनल गरबा और गुजराती दो ताली-तीन ताली हाथ गरबा

नॉन-स्टॉप ट्रेडिशनल गरबा-गुजराती हाथ गरबा से जयकारा 2025 में मची धूम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ महोत्सव समिति द्वारा आयोजित नवरात्रि डांडियॉ महोत्सव, सिल्वर जुबली समारोह जयकारा-2025 में माता की आराधना के बीच भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। पारंपरिक परिधानों में महिलाएँ, पुरुष और बच्चे गरबा की धुनों पर नृत्य कर रहे थे और डांडिया की खनक से माहौल भक्तिमय बना। कार्यक्रम में "बेटी बचेगी तो सृष्टि बचेगी", "स्वदेशी अपनाओ-देश बचाओ" और "मेरे भारत का बच्चा-बच्चा जय श्री राम बोलेगा" जैसे संदेशों को भी प्रमुखता से दर्शाया गया। ऑपरेशन सिंदूर का सेल्फी पेंट युवा प्रतिभागियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। समिति के कार्यक्रम संयोजक गोपाल भूतड़ा और आयोजन सचिव अनुराग द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी बीनू देवल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव प्रमोद सिसोदिया, पूर्व यूआईटी चेयरमेन सुरेश झंवर, भाजपा पूर्व शहर अध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष अनंत समदानी, सचिव आशा पोखरना, कोषाध्यक्ष प्रदीप काबरा और अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।विभिन्न प्रतियोगिताओं में शिखा, अक्षिता, रीना पानचाल, हर्षिता उपाध्याय, आरती सिंह, संगीता चौधरी, प्रियंका वैष्णव, इशी गोयल, अर्पिता शास्त्री, सोनल जैन सहित कई प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 5 क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। इसके संचालन में समिति के कई सदस्य और स्वयंसेवक सहयोगी थे। बंगाली कारीगरों द्वारा निर्मित माता का भव्य मंदिर और गैलरी में लगे सेल्फी पेंट में युवा देर रात तक सेल्फी और रील बनाने में व्यस्त रहे। राजस्थानी बड़ी पोपेट जैसी आकर्षक गतिविधियों ने बच्चों का ध्यान खींचा। कार्यक्रम के अंतिम दिन नॉन-स्टॉप ट्रेडिशनल गरबा और गुजराती दो ताली-तीन ताली हाथ गरबा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रोचक प्रतियोगिताएं और बंपर पुरस्कार वितरण होंगे। कार्यक्रम संचालन दिलखुश सुखवाल ने किया और निर्णायक की भूमिका में परि बजाज रहे।

ओपिनियन

बाहर इतना भी शोर मत करो कि अंदर की आवाज़ सुनाई ही न दे!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हमने अपने आसपास इतना शोर पैदा कर लिया है कि अक्सर अपने ही मन की आवाज़ सुनना मुश्किल हो गया है। सोशल मीडिया, काम का दबाव, रिश्तों की जटिलताएँ और लगातार व्यस्त रहने की आदत हमें भीतर से कमजोर कर रही हैं। यही कारण है कि कई लोग अपने अधिकांश सपने पूरे होने के बावजूद तनाव, चिंता और अनिद्रा के शिकार हो जाते हैं।

लोग अक्सर कहते हैं-"तनाव तो अब ज़िंदगी का हिस्सा बन गया है, थोड़ी-बहुत चिंता या तनाव हर किसी को होता है", असल समस्या तब शुरू होती है जब हम अपने मन के लगातार दिए जाने वाले संकेतों को नज़रअंदाज़ करने लगते हैं। मन बार-बार कहता है–"रुकिए, ठहरिये और देखिए कि असली समस्या कहाँ है।" लेकिन हम उसे सुनने के बजाय अनदेखा कर देते हैं। फिर जब मानसिक, शारीरिक या रिश्तों की परेशानियाँ बढ़ जाती हैं, तब हमें अहसास होता है कि हमने खुद पर कभी ध्यान ही नहीं दिया। भीतर झाँकना आसान नहीं होता। हमारी आदत बाहर की ओर देखने की बन चुकी है। लेकिन यह उतना कठिन भी नहीं है जितना हम सोचते हैं। इसे ऐसे समझिए-जैसे किसी नए शिक्षक, अनजान व्यक्ति या अलग संस्कृति वाले इंसान से पहली बार बात करने में झिझक होती है। शुरुआत में अजीब लगता है, लेकिन धीरे-धीरे वह सहज हो जाता है। ठीक वैसे ही, अपने ही मन से बातचीत करना भी शुरुआत में कठिन लगता है। पर जब हम ठहरकर ध्यान से देखते हैं तो पता चलता है कि असल परेशानी बाहर नहीं है, बल्कि हमारे ही विचार और भावनाएँ आपस में टकरा रही हैं। कौन-सा विचार मेरी सहज स्वीकृति से मेल नहीं खा रहा? कौन-सी पुरानी गलती या सोच मैं बार-बार दोहरा रहा हूँ? किस वजह से मेरा व्यवहार बिगड़ रहा है?-इन सवालों को ईमानदारी से देखना ही खुद से बातचीत की शुरुआत है।

जब हम खुद को सुनने लगते हैं तो समझ आता है कि कई बार हमारी मान्यताएँ ही आपस में टकराकर हमें बेचैन कर रही हैं। लेकिन समझ के अभाव में हम बाहर के शोर में उलझ जाते हैं-घूमना-फिरना, सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट करना, या हर समय व्यस्त रहने की आदत। इन सबमें हम इतने खो जाते हैं कि अपनी असलियत से नज़रें चुराने लगते हैं और भीतर से बेहोश बने रहते हैं। इसे एक उदाहरण से समझते हैं - एक मोहल्ले में ज़ोर-ज़ोर से डीजे पार्टी चल रही थी। उसी मोहल्ले में एक माँ अपने छोटे बच्चे को दूध पिला रही थी। डीजे की आवाज सुनकर उसे लगा कि चलो, रसोई में खाना बनाते हुए संगीत का मज़ा लेती हूँ। वह बच्चे को दूध पिलाकर लिटा देती है और फिर अपने पुराने शौक़ के अनुसार नाचते-गाते हुए खाना बनाने लगती है। लेकिन बच्चा डकार नहीं ले पाता और उसका दूध उलटकर नाक में चला जाता है। उसकी साँस अटकने लगती है। बच्चा ज़ोर-ज़ोर से रोता है, मगर माँ बाहर के शोर और अपने नाच-गाने में उलझी रहती है। कुछ ही देर में बच्चा सांस लेना बंद कर देता है। जब माँ को यह पता चलता है तो वह टूट जाती है। रोती है, पछताती है। लेकिन अपनी पीड़ा से बचने के लिए और ज्यादा नाचने लगती है। जब कोई उससे पूछता है–"तुम्हारा बच्चा नहीं रहा और तुम नाच रही हो?" तो वह कहती है–"मेरी लापरवाही से मेरा बच्चा चला गया। अब अगर मैं इस सच्चाई पर ध्यान दूँगी तो मुझे और तकलीफ होगी। इसलिए मैं खुद को इस शोर में उलझाए रखना चाहती हूँ।"

यह कहानी दर्दनाक है, लेकिन सच्चाई यही है कि हम सब किसी-न-किसी रूप में यही कर रहे हैं। हम बाहर के शोर में उलझ कर भीतर की पुकार को अनसुना कर रहे हैं और मन की सच्चाई से दूर भाग रहे हैं। लेकिन असली समाधान भागने में नहीं है। समाधान है-अपने भीतर की आवाज़ को सुनना और उसे धीरे-धीरे ठीक करने का प्रयास करना।

जब इंसान अपने भीतर की आवाज सुनने लगता है तो उसकी जागरूकता बढ़ जाती है। वह समझने लगता है कि सामान्य दिनों में पुरानी आदतों के अनुसार घूमना-फिरना, दोस्तों से बातें करना या पार्टी करना ठीक है। लेकिन जब परेशानी आती है, तब भागने के बजाय ठहरकर खुद से पूछना ज़रूरी है-"मुझे सच में क्या परेशान कर रहा है?" यही ठहराव हमें तनाव और अवसाद से बचा लेता है। क्योंकि जब समस्या को उसी समय समझ लिया जाए और सुलझा लिया जाए, तो मन हल्का और संतुलित महसूस करता है। शरीर थक सकता है क्योंकि उसकी सीमा है, लेकिन मन को हल्का और स्थिर बनाने की ताक़त हमारे भीतर की ईमानदार बातचीत से ही आती है। खुद से सच्ची बातचीत का अर्थ है–अपने भावों, विचारों और गलतियों को पहचानना और उन्हें स्वीकार करना। यह मानना कि हाँ, मैं परेशान हूँ। और यह भी देखना कि समाधान बाहर नहीं बल्कि भीतर है। यही प्रक्रिया हमें धीरे-धीरे हल्का, संतुलित और खुश बनाती है।

अब हमें खुद से पूछना चाहिए–क्या मैं अपने भीतर की आवाज सुन पा रहा हूँ? या बाहर के शोर में इतना उलझ गया हूँ कि अपनी ही सच्चाई से दूर हो रहा हूँ? बाहर की भागदौड़, घूमना-फिरना, नाचना-गाना, रील्स बनाना, रील्स देखना-ये सब कुछ पल के लिए हमें व्यस्त और "पागलपन" भरा मज़ा दे सकते हैं। लेकिन चुप रहकर मन की ओर झाँकना ही हमें वास्तविक शांति और स्थायी खुशी दे सकता है। याद रखिए–आप माने या न माने, आपके भीतर कुछ ऐसा है जिसे हमेशा सुकून और खुशी चाहिए। आप उसे हल्के-फुल्के मज़े से कुछ समय के लिए बहला सकते हैं, लेकिन असली संतोष तभी मिलेगा जब आप मन की उलझनों को सुलझाएँगे और ज़िंदगी को सही मायने में समझेंगे। आइए, खुद को सुनें। क्योंकि कोई है जो आपके भीतर ही मौजूद है और चाहता है कि आप उस पर ध्यान दें। एक बेहतरीन ज़िंदगी आपका इंतज़ार कर रही है।

गोल की बेटी प्रियंका ओझा बनीं RPSC चयनित सहायक आचार्य, जहाँ की पढ़ाई, उसी में मिली नियुक्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। सिरोही के गोल गांव की होनहार बेटी प्रियंका ओझा ने शिक्षा जगत में नया कीर्तिमान रचते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है। उन्हें राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिरोही में भौतिकी विषय की सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति मिली है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि प्रियंका अब उसी महाविद्यालय में अध्यापन करेंगी, जहाँ से उन्होंने स्वयं अपनी स्नातक शिक्षा पूरी की थी। यही नहीं, उनके पिता किशोर कुमार ओझा और भाई प्रियांक ओझा ने भी इसी महाविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की थी। यह संयोग पूरे परिवार के लिए एक भावनात्मक और गर्व का क्षण बन गया है।

पहले भी रच चुकी हैं इतिहास

- » प्रियंका ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।
- » उन्होंने नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण किया।
- » वर्ष 2020 में आयोजित जेस्ट परीक्षा में पूरे देश में पहला स्थान (AIR-1) हासिल किया।
- » इसके साथ ही वे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों IISC, TIFR, RRI और IITs में पीएच.डी. हेतु चयनित हुईं।
- » इन उपलब्धियों से यह साबित होता है कि प्रतिभा और लगन से ग्रामीण परिवेश की बेटियाँ भी देशभर में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

प्रेरणा की मिसाल

प्रियंका पिछले एक वर्ष से राजकीय कन्या महाविद्यालय, पाली में सहायक आचार्य के रूप में सेवा दे रही थीं। उन्होंने वहाँ के पूरे स्टाफ और सकारात्मक वातावरण का विशेष रूप से आभार जताते हुए कहा कि उसी मार्गदर्शन ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया, जिसका लाभ उन्हें साक्षात्कार में मिला। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया तथा विशेष रूप से अपने भाई को धन्यवाद दिया, जिन्होंने हर कदम पर उन्हें प्रेरित और सहयोग किया। प्रियंका की इस सफलता से न केवल परिवार बल्कि पूरा गाँव और क्षेत्र गौरवान्वित है। क्षेत्रवासियों और पूर्व शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वैज्ञानिक शोध एवं उत्कृष्ट पब्लिकेशन के लिए डॉ. सेको शीर्ष वैज्ञानिक चुने गये

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर, टोंक में निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर के नेतृत्व मे वस्त्र रसायन एवं वस्त्र निर्माण विभाग में कार्यरत सीनियर साइंटिस्ट डॉ सेको जोश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी वैज्ञानिक शोध एवं उत्कृष्ट पब्लिकेशन के कारण शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिक मे चुना गया है। डॉ सेको जोश रसायन क्षेत्र के पॉलिमरस मे काम करते है जिनको विश्व स्तर पर 2101 की रैंक मिली है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सेको जोश को बधाई देते हुए विभाग की उपलब्ध को बहुत सहरानीय बताया तथा विभाग के वैज्ञानिक द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर किये गये कार्य को संस्थान के लिए एक अच्छी उपलब्धि बताया। इंटरनेशनल स्तर पर संस्थान का नाम रोशन करने पर टीएमटीसी विभाग के वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार, डॉ विनोद कदम के साथ संस्थान के वैज्ञानिक द्वारा भी इस उपलब्ध पर सभी ने बहुत खुशी जताई एवं डॉ सेको जोश को बधाई देने की लगी लाइन। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमर सिंह मीना ने यह जानकारी दी।

ओमशंकर द्विवेदी बने अध्यक्ष

उदयपुर @ जागरूक जनता। महर्षि दधीची आश्रम संस्थान शाखा चंगेड़ी फतहनगर (उदयपुर) के चुनावों में ओमशंकर द्विवेदी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश दाधीच के निर्देशन में हुए चुनावों में मनोहर शंकर व्यास को उपाध्यक्ष, जगदीश चंद्र मंत्री, ओम प्रकाश व्यास कोषाध्यक्ष, रामलाल पंचोली को उपमंत्री, बनाया गया। गोविन्द लाल जोशी को संरक्षक एवं पवन कुमार को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

पूनमनगर एवं कुछड़ी ग्रामों में ओरण के लिए भूमि का मौका निरीक्षण प्रारंभ

जैसलमेर @ जागरूक जनता। जिला प्रशासन, जैसलमेर द्वारा राजस्व ग्रामों में ओरण भूमि के संरक्षण एवं अभिलेखीय अंकन की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में तहसील रामगढ़ के पटवार मण्डल पूनमनगर अंतर्गत राजस्व ग्राम पूनमनगर एवं ग्राम कुछड़ी में प्रस्तावित ओरण भूमि का मौका निरीक्षण प्रारंभ किया गया।पटवारी एवं भू-अभिलेख निरीक्षक सोनू को मौके पर भिजवाकर निरीक्षण प्रारंभ किया गया। जिला प्रशासन द्वारा इन प्रकरणों में ओरण दर्ज कराने के लिए निरंतर कार्यवाही जारी है, ताकि परंपरागत धार्मिक आस्था, पर्यावरणीय संरक्षण एवं सामुदायिक हित से जुड़ी इन भूमियों का स्थायी रूप से संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

बांदीकुई के रास्ते गुजरेगी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांदीकुई। रेलवे की ओर से मदार (अजमेर)-दरभंगा-मदार (अजमेर) साप्ताहिक नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। इस ट्रेन में यात्रियों को आरामदायक सफर सुगम हो सकेगा। वन्दे भारत ट्रेन की तर्ज पर तैयार इस ट्रेन का बांदीकुई में स्टोपेज होने से यात्रियों को सुविधा मिल सकेगी। इस ट्रेन का दौसा जंक्शन पर ठहराव नहीं होगा। उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार ट्रेन संख्या 19623 मदार (अजमेर)-दरभंगा साप्ताहिक नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलसेवा 3 अक्टूबर से मदार से प्रत्येक शुक्रवार को 21.25 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 23 बजे आगमन व 23.10 बजे प्रस्थान कर दरभंगा पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 19624 दरभंगा-मदार (अजमेर) साप्ताहिक नई अमृत भारत एक्सप्रेस 5 अक्टूबर से दरभंगा से

प्रत्येक रविवार को 4.15 बजे रवाना होकर सोमवार को जयपुर स्टेशन पर 10.25 बजे आगमन, 10.35 पर प्रस्थान कर13.20 बजे मदार पहुंचेगी।

बांदीकुई, मंडावर महुवा रोड पर होगा ठहराव

मार्ग में किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, मंडावर महुवा रोड, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, गोमतीनगर, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, सिकटा, रक्सौल, बैरगनियां, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड व कमतौल आदि स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसमें 8 द्वितीय शयनयान एवं 11 साधारण श्रेणी के कोच होंगे।

जेड प्लस सुरक्षा में अजारी पहुंचे मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, मारकुंडेश्वर धाम में किए दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पिंडवाड़ा। अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा जेड प्लस सुरक्षा काफिले के साथ अजारी पहुंचे। धाम पहुंचते ही उनका स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बिट्टा ने मारकुंडेश्वर महादेव और मां सरस्वती मंदिर में विधिविधान से पूजा-अर्चना कर विश्व शांति, भाईचारे और आतंकवाद मुक्त भारत की कामना की। दर्शन के दौरान मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और "जय श्री महादेव" के जयकारों से माहौल गुंजायमान हो गया। अजारी निवासी खुशवंत सिंह चौहान ने इस अवसर पर बिट्टा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मारकुंडेश्वर धाम परिसर में राष्ट्रीय पक्षी 'मोर' के संरक्षण और संवर्धन के लिए उद्यान विकसित करने की मांग रखी गई।

सेंट जोसेफ सैकंडरी स्कूल में रास गरबा नृत्य का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। शहरभर में नवरात्रि महोत्सव के रास गरबा नृत्य का आयोजन किया जा रहा हैं। यहां के सेंट जोसेफ़ स्कूल परिसर रास गरबा नृत्य का आयोजन करवाया गया। जिसमें छोटे बच्चों से लेकर बड़े छात्रों व विधालय के सभी अध्यापको ने सामूहिक रूप से रास गरबा नृत्य किया। सेंट जोसेफ़ सेकंडरी स्कूल की प्रिंसिपल व संचालिका खुर्शीद कॉन्ट्रेक्टर ने बताया कि, नवरात्रि में शहरभर में नव दिवसीय गरबा नृत्य का आयोजन होता है। इसमें विधालय में अध्ययरत बालक बालिकाओं व अध्यापको में भी नवरात्र के नव दिनों में एक दिन सप्तमी या अष्ठमी को विधालय परिसर में रास गरबा नृत्य का आयोजन करवाया जाता है। जिसमे पहले नवरात्रि पर्व को कैसे माँ के नव रूपों की विविध रूप में पूजन किया जाता हैं व बाद में माँ की आराधना के स्वरूप ही भक्ति गीतों पर रास-गरबा किया जाता हैं। अंत में विधालय के सभी छात्र छात्राओं ने अध्यापक गणों ने सामूहिक रूप में रास-गरबा नृत्य किया। गुजराती गीतों के धुन पर नृत्य करते हुए सभी ने इस आयोजन का लुत्फ़ उठाया।

आम उत्पादन पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन

उदयपुर @ जागरूक जनता। एमपीयुएटी में संचालित अखिल भारतीय समन्वित फल परियोजना के अंतर्गत जनजातीय उपयोजना घटक के तहत गांव जालमपुरा पंचायत समिति फलासिया में आम की आधुनिक खेती अपनाने हेतु एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 30 जनजातीय किसानों ने भाग लिया। किसानों को आम की उन्नत किस्मों की बाड़ी लगाने की वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में विषय विशेषज्ञों डॉ. के.के. यादव और डॉ. पी.एस. राव ने जानकारी दी। समापन समारोह में परियोजना प्रभारी डॉ. एस.एस. लखावत, डॉ.पी.एस. राव और डॉ. के.के. यादव ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रत्येक किसान को आम की उन्नत किस्मों के 25 पौधे, उर्वरक, कीटनाशी दवा, और स्प्रे मशीन का वितरण किया।

नारायण सेवा संस्थान में 101 दिव्यांग कन्याओं का पूजन

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान में दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर करुणामयी मां महागौरी सहित मां दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों की विधि-विधान से आराधना की गई। इस अवसर पर संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 101 दिव्यांग कन्याओं का पूजन कर उनके सुखद उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बड़गांव उपखण्ड की एसडीएम लतिका पालीवाल, संस्थान संस्थापक कैलाश 'मानव', विशिष्ट अतिथि विजयलक्ष्मी पालीवाल और निदेशक वंदना अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कन्याओं का पूजन किया। प्रारंभ में संस्थापक कैलाश 'मानव' और निदेशक वंदना अग्रवाल ने अतिथियों का पगड़ी,शाल, उपरणा और प्रतीक-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। पूजन के दौरान कन्याओं के चेहरों पर खुशी झलक रही थी। समारोह में जनसंपर्क प्रमुख भगवान प्रसाद गौड़, विष्णु शर्मा हितैषी, कुलदीप सिंह शेखावत व महिम जैन मौजूद रहे।

आई.सी.सी. द्वारा बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड़ सस्टेनेबिलिटी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सतत् विकास की ओर अग्रसर होते हुए बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा सस्टेनेबिलिटी एक्सीलेंस अवार्ड 2025 अपने नाम किया। यह पुरस्कार कंपनी द्वारा निरन्तर सतत विकास में उत्कृष्ट कार्यो को दर्शाता है। यह पुरस्कार अपूर्व मिश्रा, इकोनॉमिक एडवाइजरी कॉउन्सिल ऑफ प्राइम मिनिस्टर द्वारा प्रदान किया गया। थर्ड एडिशन ऑफ एनुअल सस्टेनेबिलिटी सीम्पोसियम एंड एक्सीलेंस अवार्ड के मौके पर यह पुरस्कार कम्पनी के सहायक उपाध्यक्ष सस्टेनेबिलिटी विनोद पालीवाल एवं प्रबंधक रतिकांत चौधरी ने प्राप्त किया। यह अवार्ड कंपनी द्वारा सतत् विकास के क्षेत्र मे प्रदूषण की रोकथाम, अपशिष्टों का निरस्तीकरण, हरियाली का विस्तार, जल सरंक्षण, ऊर्जा सरंक्षण, जलवायु परिवर्तन नियंत्रण, आस-पास के क्षेत्रो में सामाजिक उत्थान के कार्य एवं हितधारकों से समन्वय स्थापित करने के लिए प्रदान किया गया। देवेश कुमार मिश्रा इकाई प्रमुख ने बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार सतत् विकास, उत्कृष्टता, स्थायित्वता एवं सामाजिक उत्थान के प्रति कम्पनी के व्यापक दृष्टिकोण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि समाज एवं पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, राष्ट्रीय स्तर पर हमारी पहचान बनाती है एवं व्यवसायिक लाभों में सुधार, ग्रीन हॉउस गैसों की कटौती से हरित पर्यावरण और सामुदायिक समृद्धि को बढ़ावा देती है।

स्ववित्तपोषित 16वाँ व्यवसायिक भेड़-बकरी एवं खरगोश पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

जैविक पशुपालन भविष्य की आवश्यकता है-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भाकृअनुप केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर एवं केड फाउंडेशन उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 7 दिवसीय स्ववित्तपोषित 16वाँ व्यवसायिक भेड़-बकरी एवं खरगोश पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में राजस्थान, उत्तरप्रदेश से कुल 35 पशुपालक (32 पुरुष एवं 3 महिला) ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान पशुपालकों को नस्ल, आवास, स्वास्थ्य, चारा, दाना, टीकाकरण एवं मौसम आधारित प्रबंधन पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं, बाजार संभावनाओं एवं पशु उत्पाद आधारित व्यवसायिक अवसरों पर भी चर्चा की गई। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर द्वारा की गई। उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया कि जैविक पशुपालन भविष्य की आवश्यकता है, जिसके माध्यम से कम लागत और पर्यावरण अनुकूल तरीके से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने पशुपालकों से आह्वान किया कि वे नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर पशुपालन को आजीविका के साथ-साथ एक सफल व्यवसाय के रूप में आगे बढ़ाएँ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विनोद कदम एवं डॉ. राजेश विश्नोई द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पशुपालकों का फीडबैक लिया गया और उन्हें वैज्ञानिक सुझाव प्रदान किए गए। समापन अवसर पर डॉ. अरविन्द सोनी, केड फाउंडेशन निदेशक मुकेश सुथार एवं नरेश बिश्नोई उपस्थित रहे और प्रशिक्षण को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी अविकानगर मीडिया प्रभारी डॉ. अमरसिंह मीना द्वारा दी गई।

भाजपा निंबाहेड़ा में गुटबाज़ी के सुर तेज, ऑडियो वायरल होने से मचा सियासी घमासान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निंबाहेड़ा @ इलियास मोहम्मद शेख़। राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि हर समय सब कुछ ठीक नहीं चल सकता। कार्यकर्ताओं को हर पल संतुष्ट रखना किसी भी पार्टी संगठन के लिए आसान नहीं होता। कई बार कार्यकर्ताओं की अनदेखी और पदाधिकारियों के वादाखिलाफी से संगठन में असंतोष और गुटबाजी पनप जाती है। कुछ ऐसा ही मामला निंबाहेड़ा में भाजपा के भीतर सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, चित्तौड़गढ़ जिला प्रमुख का पद इस बार वरिष्ठ नेता श्रीचंद कृपलानी खेमे से जुड़े व्यक्ति को दिया गया। इसे लेकर पार्टी के भीतर ही विरोध और नाराजगी देखी जा रही है। इसी बीच, शुक्रवार को भाजपा नगर पालिका के पूर्व पार्षद मयंक अग्रवाल, जो निंबाहेड़ा नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष श्यामलाल अग्रवाल के पुत्र हैं, और जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत की एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। वायरल ऑडियो रिकॉर्डिंग में मयंक अग्रवाल अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहते सुनाई दे रहे हैं कि "इस पार्टी में तो अब हमारी कुत्ते जैसी वक़्त हो गई है। हमारे पास तक वीआईपी पास नहीं आए हैं।"

उन्होंने आरोप लगाया कि दशहरा मेले में उन्हें पास उपलब्ध न कराए जाने पर उनके परिवार को पार्किंग से पैदल आना पड़ा। इस पर उन्होंने सवाल उठाया कि "क्या पार्टी में अब कार्यकर्ताओं की कोई सुनवाई नहीं रही? क्या कुछ चुनिंदा लोग ही भाजपा चला रहे हैं?" बातचीत के दौरान कपिल नामक व्यक्ति का भी जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि "क्या अब वही निंबाहेड़ा की भाजपा संभालेगा?"

जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर ने नाराज मयंक अग्रवाल को समझाने का प्रयास किया और शांत रहने की अपील की। हालांकि, मयंक अग्रवाल ने साफ कहा कि अब उन्हें यह मामला सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर उठाना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने पूर्व में शारदा के कार्यकाल की कार्यशैली की तुलना करते हुए कहा कि "तब पार्षदों तक मेले के पास पहुंच जाते थे, आज कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है।"

लगभग पूरे 6 मिनट के ऑडियो वायरल होने के बाद निंबाहेड़ा भाजपा की अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी एक बार फिर सतह पर आ गई है। आने वाले दिनों में इसका क्या असर पड़ेगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

शारदीय नवरात्र

आदर्श विद्या मंदिर उ.मा. में 101 कन्याओं का पूजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। आदर्श शिक्षण संस्थान जैसलमेर द्वारा संचालित आदर्श विद्यामंदिर उच्च माध्यमिक जैसलमेर में द्वारकाराम ईणखिया जिला शिशुवाटिका प्रमुख के नेतृत्व में हवन अग्निहोत्र हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत मां जगतम्बा और मां भारती के समक्ष पूराराम जिला सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जैसलमेर, अरूण कुमार गोयल व्यवस्थापक प्रबंध समिति, मानवेन्द्रसिंह नगर प्रचारक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, बीरमाराम प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री द्वारकाराम ईणखिया जिला शिशु वाटिका प्रमुख ने बताया कि प्रत्येक कन्या में माता दुर्गा का दिव्य रूप विद्यमान होता है इसलिए उनका पूजन करने से घर और जीवन में शांति, सौभाग्य और आशीर्वाद की प्राप्ति होती है। यह पूजा हमें सदगुण अपनाने और जीवन में नैतिकता व विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देती है। कार्यक्रम में मातृशक्ति पूजा गोयल, भावना, गुड्डीकवरं, सरिता कंवर आचार्या जयश्री सिसोदिया, ललिता श्रीमाली, पुष्पा परिहार, पुष्पा गोस्वामी, संतोष स्वामी, आकांक्षा,वन्दना हर्ष, सुश्री मल्लिका आचार्य ने उपस्थित 101कन्याओ का पैर धोकर, पुष्प वर्षा कर, मिष्ठान्न खिलाकर, उपहार देकर साक्षात् कन्या में देवी प्रतिरूप मानकर पूजन किया।

इस अवसर में जिला सरसंघचालक पूराराम ने कहा कि नवरात्रि पर्व पर मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। कन्या पूजन भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण संस्कार है, जो हमारे जीवन को धर्म और संस्कृति से जोड़ता है। अरूणकुमार गोयल बताया कि हमारे शास्त्रों में भी उल्लेख है... "*यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता*" अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का निवास होता है। बीरमाराम प्रधानाचार्य ने कहा कि शारदीय नवरात्रि में कन्या पूजन करने का विशेष महत्व है धार्मिक मान्यता के अनुसार विधिपूर्वक कन्या पूजन करने से साधक को मां दुर्गा के नौ रूपों की कृपा प्राप्त होती है ,साथ में जीवन में सुख शान्ति बनी रहती है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लूणी में किए 104 .15 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास, कहा...

'यह तो सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर, लूणी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जोधपुर जिले की लूणी विधानसभा क्षेत्र के सालावास ग्राम पंचायत में सार्वजनिक निर्माण विभाग के तहत होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे और सभी ने इन विकास योजनाओं के लिए उपमुख्यमंत्री का आभार जताया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि, "हमारी डबल इंजन की सरकार विकास के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। आज लूणी क्षेत्र में 104.15 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली बोरानाडा-सालावास, बासनी सर-धुन्धाडा-जिला सीमा तक तथा गुढ़ा-भाण्डूकलां 1ia मोगडा-सालावास-नन्दवान-हिरखेड़ा सड़कों का शिलान्यास किया गया है, और आने वाले दिनों में 400 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर लाई जा रही हैं।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि "विकसित भारत" के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

30 सितंबर तक प्रदेश के 459 बांध हो चुके लबालब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के बांधों से जुड़ा आंकड़ा जारी हुआ है. जल संसाधन विभाग ने 30 जून से 30 सितंबर तक का आंकड़ा जारी किया है। जयपुर जोन में 30 जून को कुल भराव क्षमता का 37.05 प्रतिशत पानी था जयपुर जोन में 30 सितंबर को कुल भराव क्षमता का 85.21 प्रतिशत पानी है। भरतपुर जोन में 30 जून को कुल भराव क्षमता का 36.03 प्रतिशत पानी था भरतपुर जोन में 30 सितंबर को कुल भराव क्षमता का 54.49 प्रतिशत पानी है. जोधपुर जोन में 30 जून को कुल भराव क्षमता का 12.94 प्रतिशत पानी था. जोधपुर जोन में 30 सितंबर को कुल भराव क्षमता का 80.45 प्रतिशत पानी है। कोटा जोन में 30 जून को कुल भराव क्षमता का 79.13 प्रतिशत पानी था। कोटा जोन में 30 सितंबर को कुल भराव क्षमता का 98.05 प्रतिशत पानी है। प्रदेश में 30 जून को 376 बांध आंशिक भरे हुए थे. 30 सितंबर को 125 बांध आंशिक भरे हुए। प्रदेश में 30 जून को मात्र 28 बांध लबालब थे। 30 सितंबर तक 459 बांध लबालब है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

सेवा पखवाड़े में दिव्यांगजन को स्कूटी एवं अंग उपकरण किए गए वितरित, दिव्यांगों का सहारा बने विधानसभा अध्यक्ष, सेवा पखवाड़ा बना संवेदना और संबल का प्रतीक-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। दिव्यांगों का सहारा बने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजनो को स्कूटी एवं सुनने में सहायक उपकरण वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता और नई आशा की राह दिखाई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के मुख्य आतिथ्य में मूक-बधिर विद्यालय में दिव्यांगजन को स्कूटी एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत यह आयोजन केवल उपकरण वितरण भर नहीं है बल्कि यह दिव्यांगजनों के सपनों को पंख देने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि जीवन एक रणभूमि है। इसमें सभी को संघर्ष कर आगे बढ़ना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द देकर इन बच्चों की दिव्यता को सम्मान दिया है। सेवा ही सच्चा धर्म है। महात्मा गांधी के जन्मदिन तक सेवा पखवाड़े के दौरान अनेक सेवा गतिविधियां संचालित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भी सेवा भाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं।

कान की मशीन की सहायता से अब बच्चे पक्षियों की चहक, माँ की लोरी और मित्रों की ठिठोली सुन सकेंगे। यह उपकरण उनके जीवन में आशा की नई किरण जगाएँगे। लोकोमोटिव डिसऑर्डर से पीड़ित लाभार्थियों को स्कूटी उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया जा रहा है। स्कूटी से दिव्यांगजन को आजीविका में सहायता मिलेगी और गति मिलेगी। शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका इन्हें नए जीवन की राह दिखाने में निर्णायक सिद्ध होगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जयप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़े के तहत वंचितों की सहायता कर देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय वैशाली नगर में 150 एवं मां माधुरी बृजवासी मूक-बधिर आवासीय विद्यालय कोटड़ा में 75 मूक-बधिर विद्यार्थियों को कान की मशीनें और 40 दिव्यांगजनो को मुख्यमंत्री दिव्यांग योजना के अंतर्गत उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ऑपरेशन सिंदूर पर मनमोहक नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

निकल पड़े कहीं दूर बहुत दूर....

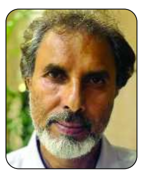

पूनम चन्द्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कौन दिशा से आया ये ख्वाब
हौले--हौले, आहिस्ता-आहिस्ता
निकल पड़े कहीं दूर बहुत दूर...
****
मंद-मंद बह रही रही थी बयार
राहों की बाहों में जकड़े थे दोनों यार
फिर मृगनयनी से आंखें हुईं दो चार
गर्दिश के दिन थे और दोनों लाचार
आसमां देख दोनों ने मिलाई नजरें
फिर बोले, चल भाई चलें कहीं ओर
छिप रहा माहताब, होने वाली है भोर
****
कौन दिशा से आया ये ख्वाब
हौले--हौले, आहिस्ता-आहिस्ता
निकल पड़े कहीं दूर बहुत दूर
****
एक कहानी जो कई रंगों से भरी थी
जिन्दगी का फलसफा समझ न सके
मंजिल थी मालूम पर राह भटके
दुनिया के दस्तूर के आगे मत्था टेके
शायद कोई रहबर मिल जाए बैठे बैठे
करिश्मा की चाहत में तकती रहीं निगाहें
दर्दीले गर्द गुबार संग मिले घटाटोप अंधेरे
****
कौन दिशा से आया ये ख्वाब
हौले--हौले, आहिस्ता-आहिस्ता
निकल पड़े कहीं दूर बहुत दूर...

दुर्गाष्टमी पर विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने किए नौ देवियों के दर्शन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

शक्ति, अध्यात्म, श्रद्धा और संस्कृति का स्वरूप हैं देवियां- देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर एवं आसपास स्थित नौ देवियों के मंदिरों के दर्शन कर प्रदेश और नगरवासियों की सुख-शांति एवं खुशहाली की मंगलकामना की।

देवनानी ने इस अवसर पर अजमेर के वरूण सागर रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर, पुष्कर रोड स्थित नौसर माता मंदिर, भक्ति धाम स्थित माताजी मंदिर, नगीना बाग स्थित जत्तोई दरबार, बजरंगगढ़ स्थित अंबे माता मंदिर, चांद बावड़ी स्थित काली माता मंदिर, रामगंज स्थित काली माता मंदिर, आनासागर पुलिस चौकी के सामने स्थित चामुंडा माताजी मंदिर तथा वरूण सागर रोड स्थित काली माता मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की।

देवनानी ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में नवरात्रि का विशेष महत्व है। नौ देवियां शक्ति, अध्यात्म, श्रद्धा और संस्कृति की प्रतीक है। हमें अपने जीवन में मां के इस नौ स्वरूपों को आत्मसात कर प्रेरणा लेनी चाहिए। नौ दिनों से हम जीवन को एक नए स्वरूप में जानते हैं। प्रत्येक सनातनी को अपने जीवन में उन्नति के लिए शक्ति स्वरूपा मां से प्रेरणा लेनी चाहिए।

देवनानी का वरूण सागर रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर पर मंदिर समिति द्वारा चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर वे मंदिर की आरती में भी शामिल हुए। मंदिर समिति एवं ग्राम बोराज की ओर से तारा रावत, महेंद्र सिंह बोराज, मदन सिंह सहित अनेक श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।

खर्रा ने किया 5.50 करोड़ की लागत से बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीकर के धोद कस्बे के अनोखूं रोड पर नवनिर्मित सेठ धर्मचंद कपूरी देवी पाटनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन मंगलवार को नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। स्वास्थ्य केंद्र सेठ धर्मचंद पाटनी चैरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा 5.50 करोड़ रुपये की लागत से धर्मचंद पाटनी के पुत्र विमल पाटनी, विजय पाटनी, सुरेश पाटनी, अजीत पाटनी, नरेश पाटनी और वीरेन्द्र पाटनी के सहयोग से बनाया गया है।इस दौरान यूडीएच राज्य मंत्री खर्रा ने बताया कि स्वायत शासन विभाग की तरफ से जो भी कार्यवाही होनी थी, वह पूरी कर ली गई है। जैसे ही ओबीसी आयोग की रिपोर्ट आएगी, 3-4 दिन में सीटों की लॉटरी निकालकर राज्य निर्वाचन आयोग से चुनाव की तारीखों को लेकर अनुरोध किया जाएगा।

उन्होंने 13.50 लाख पट्टों की जांच पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि अब तक अधिकारियों की कमी के कारण कार्य शुरू नहीं हो पाया, लेकिन जैसे ही अधिकारी उपलब्ध होंगे, जांच की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। उद्घाटन समारोह में विधायक गोवर्धन वर्मा, सहित जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

3 अक्टूबर को भारत बंद का ऐलान, मुस्लिम संगठनों ने की अपील

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार की ओर से संसद में पास किए गए वक्फ संशोधन बिल को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बैनर तले तमाम मुस्लिम संगठन देशभर में इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों ने इस कानून को वापस लिए जाने तक आंदोलन चलाए रखने की चेतावनी दी है। राजस्थान जमात ए इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम ने यह जानकारी दी।

शिक्षा मंत्री ने सीकर के दूजोद व पिपराली में की जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत

प्रदेश के युवा शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपना योगदान दें-दिलावर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर सीकर के ग्राम दूजोद एवं पिपराली स्थित वैदिक आश्रम के दौरे पर रहे। इस अवसर पर उन्होंने जिला बॉस्केटबॉल एसोसिएशन एवं दूजोद क्लब द्वारा आयोजित 75 वीं जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का माध्यम हैं, जिनका विस्तार ग्रामीण स्तर तक होना चाहिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक खेल सुविधाएं सुलभ करवाई जाएंगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपना योगदान दें। उन्होंने सीकर जिले को शिक्षा और खेलों में अग्रणी क्षेत्र बताते हुए कहा कि यहां की प्रतिभाएं राज्य और देश का नाम रोशन कर रही हैं।

वैदिक आश्रम में खेल महाकुंभ

शिक्षा मंत्री दिलावर ने पिपराली के वैदिक आश्रम में पूर्व सांसद सीकर श्री सुमेधानंद सरस्वती को जन्मदिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा मेरा सौभाग्य है कि मैं महाराजजी के जन्मदिवस पर यहां उपस्थित हूं। महाराज जी सभी के लिए प्रेरणा हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे सदा स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें। शिक्षा मंत्री श्री दिलावर ने पिपराली के वैदिक आश्रम में आयोजित खेल महाकुंभ में शिरकत की।

विदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जताई आपत्ति

शिक्षा मंत्री दिलावर शिक्षा मंत्री दिलावर ने अपने संबोधन में कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की हर ग्राम पंचायत को एक लाख रुपये की राशि स्वच्छता कार्यों के लिए उपलब्ध करवाई है। उन्होंने सभी पंचायतों से अपील की कि इस राशि का सदुपयोग करते हुए गांवों को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी पंचायत में स्वच्छता की स्थिति खराब पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों पर विशेष कार्यवाही की जाएगी। विदेशी वस्तुओं के उपयोग पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि यदि हम देशभक्ति की बात करते हैं, तो हमें विदेशी वस्तुओं का प्रयोग बंद करना चाहिए। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग और संस्कृत शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि कोई भी अधिकारी बिना अनुमति विदेशी उत्पाद न खरीदे, अन्यथा व्यक्तिगत वसूली की जाएगी। इस दौरान पिपराली के खेल मैदान में शिक्षा मंत्री ने पौधारोपण किया। इस दौरान ग्रामीणजन व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती आंसर की जल्द हो सकती है जारी

जयपुर। राजस्थान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती 2025 परीक्षा का आयोजन 19, 20 एवं 21 सितंबर को करवाया गया था। एग्जाम में 21.17 लाख अभ्यर्थियों ने एग्जाम में भाग लिया था। इसकी जल्द ही आंसर की जारी की जायेगी।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन जल्द करेगा प्रदेश स्तर पर संगोष्ठी

समाज में बढ़ती उम्र में शादी एवं डायवोर्स जैसे ज्वलंत मुद्दे पर हिन्दी निबंध प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अन्तर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन यवतमाल इकाई(महाराष्ट्र) द्वारा समाज की ज्वलंत समस्या पर प्रकाश डालने हेतु ऑनलाइन राष्ट्रस्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था "समाज में बढ़ती शादी की उम्र और वैवाहिक विच्छेद;एक ज्वलंत समस्या" हिंदी दिवस एवं अग्रसेन जयंती (14 से 22 सितंबर 2025) के अवसर पर इस प्रतियोगिता का आयोजन बहुत ही सराहनीय रहा।दिल्ली,तेलंगाना और उत्तर प्रदेश से एक एक,राजस्थान से दो,मध्य प्रदेश से तीन,छत्तीसगढ़ से पांच,पश्चिम बंगाल से छ,ओडिशा से ग्यारह,महाराष्ट्र से 26(यवतमाल से बीस) ऐसे 9 प्रदेश के 61सदस्यों द्वारा निबंध प्रतियोगिता में सहभाग लिया गया, जिसके परिणाम 26 सितंबर 2025 को ऑनलाइन जूम द्वारा घोषित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अन्तर्राष्टीय अग्रवाल सम्मेलन के आदरणीय श्री राज कुमार जी मित्तल(अन्तर्राष्टीय अध्यक्ष) तथा विशिष्ट अतिथि आदरणीय श्रीमती सुशीला जी फरमानिया(राष्टीय महिला अध्यक्ष) सादर आमंत्रित थे। अंतर्राष्टीय अग्रवाल सम्मेलन के संस्थापक कोषाध्यक्ष आदरणीय श्री गणेश भरतीया जी भी उपस्थिति रहे ।कार्यक्रम का मंच संचालन,गणेश वंदना, सरस्वती वंदना,दुर्गा स्तुति एवं स्वागत उद्बोधन यवतमाल इकाई की अध्यक्षा श्रीमती पूनम जयपुरिया जी द्वारा किया गया निबंध प्रतियोगिता के परिणाम के लिए चार जजों ने निर्णायक की भूमिका निभाई थी जज आदरणीय जगदीश जी अग्रवाल राष्टीय संयोजक अग्र कार्ययोजना ,बिल्हा (छत्तीसगढ़) परिचय यवतमाल शाखा उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना मोर जी द्वारा जज सम्माननीया डॉक्टर सपना बंसल जी,राष्टीय प्रवक्ता,दिल्ली, परिचय यवतमाल इकाई श्रीमती ममता सिंघानिया जी द्वारा ,जज सम्माननीया श्रीमती उषा केडिया जी संपादक, अग्र ज्योति मासिक संदेश,मैसूर (कर्नाटक) परिचय यवतमाल शाखा सह कोषाध्यक्ष श्रीमती सपना अग्रवाल जी एवं आदरणीय गिरीश जी जयपुरियाद्धउपाध्यक्ष अग्रसेन जयंती उत्सव समिति ,यवतमाल (महाराष्ट) परिचय श्रीमती रुचिता खेतान जी द्वारा हुआ।

चारों सम्माननीय जजों ने उपस्थित रहकर आई हुई प्रतिलिपियों का किन मानदंडों द्वारा अवलोकन किया यह बताया और इस विषय पर अपनी विस्तृत जानकारी प्रदान दी । आदरणीय राजकुमार जी मित्तल एवं आदरणीय सुशीला जी फरमानिया द्वारा उनके विचार रखे गए और विजेताओं को सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

प्रथम स्थान पर दो विजेता रहे। श्रीमती अनामिका संजय अग्रवाल, खरसिया (छत्तीसगढ़) तथा श्रीमती राखी अग्रवाल, संबलपुर (ओडीशा),द्वितीय स्थान पर श्री कमल मित्तल, रायगढ़ (छत्तीसगढ़)से, तृतीय स्थान पर श्रीमती संगीता भरतीया ,चाकुलिया(झारखंड)से , चतुर्थ स्थान पर श्रीमती रेखा अनिल गोयंका,करौली (राजस्थान) से और पंचम स्थान पर श्रीमती राखी बजोरिया, यवतमाल (महाराष्ट) से विजई रही कार्यक्रम के समापन के लिए यवतमाल इकाई की सचिव श्रीमती दीपा अग्रवाल जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

अग्रवाल समाज के इस नाजुक मुद्दे को सबके समक्ष लाने के लिए यवतमाल शाखा की सभी ने भूरी भूरी प्रशंसा की । अंतर्राष्टीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार ने आयोजक इकाई के प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर केंद्रीय मुख्यालय द्वारा विस्तृत रूपरेखा बना कर जन जागरण अभियान पर जोर देने की अपनी सहमति प्रदान की ।